Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा,हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़ मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबंद में प्रसारित

दैनिक
गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वेलकम इंडिया

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 174 | शुक्रवार, 03 जुलाई-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

भारत-जापान के बीच रक्षा, प्रौद्योगिकी और ऊर्जा सहित अनेक क्षेत्रों में हुए समझौते

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि भारत और जापान ने विशेष रणनीतिक तथा वैश्विक साझेदारी के नये अध्याय की शुरूआत करते हुए आर्थिक सुरक्षा,रक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता , प्रौद्योगिकी, ऊर्जा सुरक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में सहयोग बढाने के अनेक समझौतों पर गुरूवार को हस्ताक्षर किये तथा कई महत्वपूर्ण पहलों की घोषणा की।

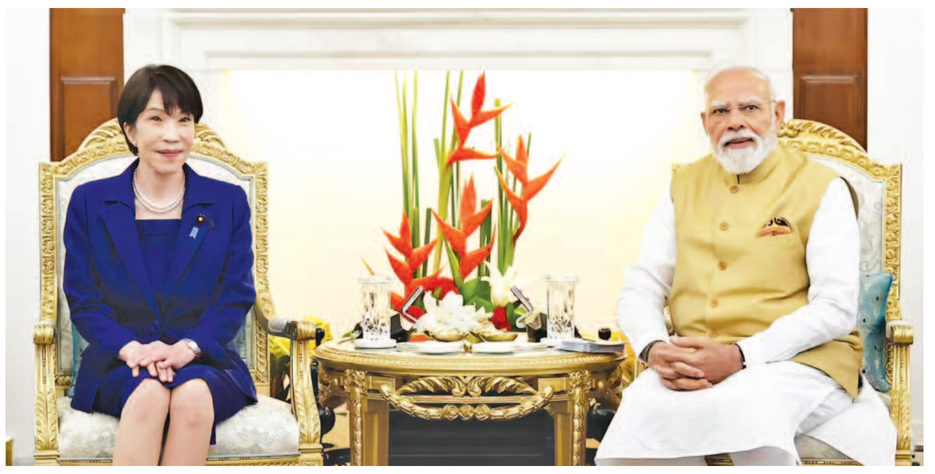

मोदी ने भारत की तीन दिन की यात्रा पर आई जापान की प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची के साथ यहां भारत जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के बाद संयुक्त प्रेस वक्तव्य में कहा कि वैश्विक उथल-पुथल के आज के माहौल में, आपसी विश्वास हमारी सबसे बड़ी रणनीतिक पूंजी है।

प्रधानमंत्री ने स्वतंत्र,समृद्ध और नियम आधारित हिन्द प्रशांत क्षेत्र को भारत और जापान की साझा प्राथमिकता बताते हुए कहा कि इन समझौतों और पहल से क्षेत्र में शांति , स्थिरता और प्रगति का मार्ग प्रशस्त होगा। उन्होंने कहा कि जापान ने पिछले कई दशकों में ऑटोमोटिव से लेकर इलेक्ट्रानिक्स तक, भारत की विकास यात्रा का अहम हिस्सेदार बनकर दोस्ती और विश्वास की एक अमूल्य पूंजी बनाई है। अब इसे आगे बढाते हुए दोनों देशों में सहमति बनी है कि जापान अगले दस वर्षों में भारत में 100 खरब येन का निवेश करेगा और भारत में सक्रिय जापानी कंपनियों की संख्या दोगुना हो जायेगी। दोनों देशों ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में सहयोग को मजबूत बनाने के लिए एक संयुक्त वक्तव्य जारी किया है और समझौते भी किये हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ताकाइची और उनका विश्वास है कि प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में साझेदारी हमारे सहयोग का सबसे मजबूत स्तंभ बनेगी। इसी दृष्टिकोण को साकार करने के लिए, आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के क्षेत्र में हमने एक संयुक्त वक्तव्य जारी किया है। उन्होंने कहा कि भारतीय ए आई इकोसिस्टम के कई प्रमुख संस्थानों ने भी आज अपने जापानी साझीदारों के साथ समझौते किए हैं। जापान की सटीक प्रौद्योगिकी और भारत की सॉफ्टवेयर क्षमता का संगम वैश्विक एआई विकास को नई गति और शक्ति देगा। प्रधानमंत्री ने कहा की रक्षा के क्षेत्र में आज हमने भारत और जापान की पहली सह विकास परियोजना पर हस्ताक्षर किए हैं। नौसैनिक रेड़ियो एंटीना की यह परियोजना हमारी रक्षा प्रौद्योगिकी साझेदारी में एक नया अध्याय शुरू करेगी। उन्होंने कहा अब हम ऐसी रक्षा प्रौद्योगिक साथ मिलकर विकसित करेंगे, जो क्षेत्रीय शांति, समुद्री सुरक्षा और नियम आधारित व्यवस्था को मजबूत करेंगी। मोदी ने कहा कि भारत-जापान निवेश साझेदारी निरंतर आगे बढ रही है। पिछले एक साल में 100 से ज्यादा नए व्यापारिक समझौते हुए हैं, भारत में 10 अरब डॉलर से ज्यादा जापानी निवेश आया है। आज वित्तीय सेवा एजेंसियों के बीच समझौते से पूंजी तथा निवेश प्रवाह और सुगम होगा। उन्होंने कहा ,' हमारा लक्ष्य स्पष्ट है- अगले 10 वर्षों में जापान से भारत में 100 येन का निवेश, और भारत में जापानी कंपनियों की संख्या दोगुनी करना।' उन्होंने कहा कि वैश्विक अनिश्चतता के इस दौर में दोनों देशों ने आर्थिक सुरक्षा के लिए संयुक्त रोड मैप तैयार किया है। उन्होंने कहा, ' इसके माध्यम से हम सेमीकंडक्टर क्वांटम और उन्नत सामग्रियों जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करेंगे। उन्होंने कहा कि ऊर्जा सुरक्षा के क्षेत्र में भी हमने कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। उन्होंने कहा, 'भारत जापान बायोगैस पहल के माध्यम से हम भारत में एक हजार बायोगैस और कार्बनिक फर्टिलाइजर संयंत्र लगाएंगे।' इससे भारत की गोवर्धन पहल और मजबूत होगी गांवों में समृद्धि तथा ग्रामीण आजीविका को नई शक्ति मिलेगी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज हमने 'भारत-जापान नेक्स्ट जनरेशन मोबिलिटी पार्टनरशिप फ्रैम्वर्क' भी तैयार किया है। इससे अब हम ऑटोमोटिव सेक्टर में हमारी सफलता को, जहाजरानी,वैमानिकी और लॉजिस्टिक जैसे क्षेत्रों में भी दोहराएंगे। उन्होंने कहा कि फार्मा, मेडिकल डिवाइस और बायो-टेक में आज किये गये समझौतों से हम वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा में भी योगदान देंगे।

मणिपुर में 20 घर जलने पर राहुल ने केंद्र को घेरा, महिलाओं में आक्रोश; कैसे हैं राज्य के हालात?

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने गुरुवार को मणिपुर की ताजा त्रासदी पर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि राज्य में नफरत और हिंसा की आग में कम से कम 20 घर जल गए हैं। एक एक्स पोस्ट में उन्होंने एक समाचार रिपोर्ट का हवाला देते हुए केंद्र की आलोचना की।

गांधी ने कहा कि दो सरकारों और राष्ट्रपति शासन के बावजूद राज्य में संघर्ष गहराता जा रहा है। उन्होंने कहा, 'मणिपुर वर्षों से जल रहा है, और आज फिर नफरत और हिंसा की आग में 20 घर राख हो गए हैं।' हजारों लोगों ने अपनी जान गंवाई है और अनगिनत परिवार बिखर गए हैं। मणिपुर जो असहनीय पीड़ा झेल रहा है, उसकी कल्पना करना भी मुश्किल है। गांधी ने आगे कहा कि मोदी सरकार की विभाजनकारी नीति लोगों को धर्म, जाति, भाषा, क्षेत्र और पहचान के नाम पर बांटती है। उन्होंने टिप्पणी की कि यह मोदी सरकार की विभाजनकारी विचारधारा का परिणाम है। आज केवल मणिपुर ही नहीं, बल्कि पूरे देश ने प्रधानमंत्री से सहानुभूति के दो शब्दों की भी उम्मीद छोड़ दी है। मणिपुर बेहतर का हकदार है, और इसके लिए भारत को एकजुट करना ही एकमात्र रास्ता है। इससे पहले 23 जून को हजारों महिला विक्रेताओं ने धरना प्रदर्शन किया था। उन्होंने केंद्रीय एजेंसियों द्वारा गांव के स्वयंसेवकों की हालिया गिरफ्तारी पर अपना गुस्सा व्यक्त किया। मणिपुरी समाज में एक शक्तिशाली और प्रभावशाली समूह के रूप में, प्रदर्शनकारियों ने तत्काल रिहाई की मांग की। उन्होंने नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (NIA), सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (CBI), सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स (CRPF) और मणिपुर पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए स्वयंसेवकों की बिना शर्त रिहाई की मांग की। उन्होंने तीन अराम्बई तेंगगोल (AT) स्वयंसेवकों को भी तुरंत रिहा करने की मांग की। यह विरोध NIA द्वारा मणिपुर में जातीय हिंसा से जुड़े छह मामलों में 10 आरोपियों की गिरफ्तारी की घोषणा के कुछ दिनों बाद हुआ।

मुख्य आरोपी सोनम की जमानत के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची मेघालय सरकार, शुक्रवार को होगी सुनवाई

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। मेघालय में साल 2025 में हुए बहुचर्चित 'हनीमून मर्डर केस' (Honeymoon Murder Case) में एक बड़ा कानूनी घटनाक्रम सामने आया है। मेघालय सरकार ने मुख्य आरोपी सोनम रघुवंशी को मिली जमानत को रद्द कराने के लिए देश की शीर्ष अदालत (Supreme Court) का दरवाजा खटखटाया है। सोनम पर मेघालय में हनीमून के दौरान अपने पति राजा रघुवंशी की सोची-समझी साजिश के तहत हत्या करने का आरोप है। गुरुवार को जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस शील नागू की पीठ (Bench) के समक्ष इस याचिका को तत्काल सुनवाई के लिए उठाया गया।

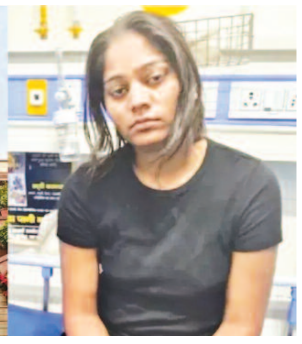

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट से इस याचिका पर तुरंत सुनवाई करने का आग्रह किया और तर्क दिया कि मेघालय हाई कोर्ट ने आरोपी को जमानत देने में गलती की है। बेंच शुक्रवार को सुनवाई के लिए मामले को सूचीबद्ध करने पर सहमत हो गई। सुनवाई के दौरान, मेहता ने कहा कि हाई कोर्ट ने इसलिए जमानत दी क्योंकि गिरफ्तारी के समय सोनम रघुवंशी को गिरफ्तारी के आधार पूरी तरह से नहीं बताए गए थे। उन्होंने कोर्ट को बताया कि यह मुद्दा केवल कानूनी प्रावधान में टाइपिंग की गलती के कारण उठा था और इसे प्रक्रियात्मक चूक की गंभीर गलती नहीं माना जाना चाहिए। उन्होंने यह भी तर्क दिया कि जमानत पर रहने पर आरोपी के भागने की संभावना है, और सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप की आवश्यकता पर जोर दिया।

जांच से संतुष्ट नहीं, राजा के भाई का कहना है

इससे पहले मंगलवार को, राजा रघुवंशी के परिवार ने भी सोनम को मिली जमानत के खिलाफ शीर्ष अदालत में जाने का फैसला किया। राजा के बड़े भाई, विपिन रघुवंशी ने कहा कि परिवार मामले को संभालने के तरीके से संतुष्ट नहीं है और वे न्याय के लिए कानूनी लड़ाई लड़ेंगे। 'सोनम के वकील उसे जमानत दिलाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं क्योंकि उन्हें इसके लिए पैसे मिल रहे होंगे। वह एक साल से कड़ी मेहनत कर रहे हैं, इसलिए उन्हें निश्चित रूप से इसके लिए पैसे मिल रहे होंगे। हमारे वकील, जो राजा की तरफ से पैरवी कर रहे हैं, उन्हें आर्थिक मदद नहीं मिली है और मुझे लगता है कि इसीलिए वह वहां कुछ नहीं कह पा रहे हैं। सोनम के वकील इसका फायदा उठा रहे हैं। हम अब हाई कोर्ट में अपील नहीं करेंगे, हम सुप्रीम कोर्ट जाएंगे और मांग करेंगे कि उसकी जमानत रद्द कर दी जाए,' विपिन ने कहा। उन्होंने कहा, 'हमें शिलांग पुलिस और मेघालय सरकार से कोई उम्मीद नहीं है... सोनम का मामला देखें तो उसने पुणे में अपने मंगेतर केतन की हत्या कर दी थी।

सीएम विजय ने केंद्र की 'विकसित भारत' योजना का किया विरोध, बोले- राज्य पर पड़ेगा अतिरिक्त बोझ

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय जोसेफ ने बुधवार को केंद्र के विकसित भारत गारंटी स्कीम को लागू करने के प्रस्ताव का विरोध किया। उन्होंने आरोप लगाया कि नए फ्रेमवर्क से राज्य पर 5,000 करोड़ रुपये से ज्यादा का एक्स्ट्रा फाइनेंशियल बोझ पड़ेगा और ऑपरेशनल चुनौतियां पैदा होंगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखे एक पत्र में विजय ने कहा, 'VB G RAMG एक्ट, 2025 के कुछ प्रोविजन में जरूरी बदलाव और छूट की जरूरत है, जिसके बिना जमीन पर इस स्कीम को बिना रुकावट और असरदार तरीके से लागू करने में काफी दिक्कत होगी। इससे ग्रामीण आबादी पर असर पड़ेगा, जो ग्रामीण रोजगार प्रोग्राम पर निर्भर है।' फंड-शेयरिंग पैटर्न का जिक्र करते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि मौजूदा गाइडलाइंस में वेतन, मटीरियल और एडमिनिस्ट्रेटिव हिस्सों में केंद्र और राज्य के बीच 60:40 का रेश्यो जरूरी है। सीएम विजय ने कहा, 'क्योंकि MGNREGS दो दशकों से एक अलग स्ट्रक्चर के तहत चल

रहा था। इस अचानक बदलाव से राज्य के खजाने पर बहुत ज्यादा दबाव पड़ सकता है, जिससे उपलब्ध मजदूरी वाले रोजगार के दिन कम हो सकते हैं या दूसरी जरूरी वेलफेयर स्कीमें बाहर हो सकती हैं।' उन्होंने कहा, 'इसलिए मैं गुजारिश करता हूं कि मजदूरी और एडमिनिस्ट्रेटिव हिस्सों के लिए 100 फीसदी फंडिंग बनी रहे, जिसमें मटीरियल हिस्सा भारत सरकार और तमिलनाडु सरकार के बीच 75:25 के आधार पर शेयर किया जाए।' मुख्यमंत्री ने कहा, 'एक जैसा, फॉमूर्ला वाला नेशनल अप्रोच क्षेत्रीय सामाजिक-आर्थिक विविधता को ध्यान में रखने में नाकाम रहता है और इससे जमीनी स्तर पर एलोकेशन में गड़बड़ी का खतरा रहता है।'

बिहार-एमपी और गुजरात की तीन विधानसभा सीटों पर उपचुनाव का एलान, 30 जुलाई को वोटिंग; 3 अगस्त को नतीजे

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग ने बिहार, मध्य प्रदेश और गुजरात की तीन विधानसभा सीटों पर उपचुनाव की तारीखों का एलान कर दिया है। इन तीनों सीटों पर 30 जुलाई 2026 को वोट डाले जाएंगे, जबकि 3 अगस्त 2026 को नतीजों की घोषणा होगी। जिन-जिन विधानसभा सीटों पर चुनाव आयोग ने उपचुनाव के तारीखों का एलान किया है, उनमें बिहार की बांकीपुर विधानसभा सीट, मध्य प्रदेश की दतिया विधानसभा सीट और गुजरात की मांजलपुर विधानसभा सीट शामिल है। बता दें कि चुनाव आयोग द्वारा जारी किए गए आधिकारिक कार्यक्रम के अनुसार, इस उपचुनाव की प्रक्रिया आगामी 6 जुलाई को अधिसूचना जारी होने के साथ शुरू हो जाएगी। चुनाव लड़ने के इच्छुक उम्मीदवार 13 जुलाई तक अपना नामांकन यानी पर्चा दाखिल कर सकेंगे। इसके अगले दिन, यानी 14 जुलाई को सभी नामांकन पत्रों की बारीकी से जांच की जाएगी। यदि कोई उम्मीदवार अपना नाम वापस लेना चाहता है, तो उसके लिए 16 जुलाई तक का समय तय किया गया है। इसके बाद, 30 जुलाई को सुबह से मतदान प्रक्रिया शुरू होगी और जनता अपने प्रतिनिधियों को चुनेगी। अंत में, 3

अगस्त को चुनाव के नतीजे घोषित कर दिए जाएंगे। चुनाव तारीखों के एलान के साथ ही संबंधित जिलों में 'आदर्श आचार संहिता' तुरंत प्रभाव से लागू कर दी गई है। इसके तहत अब सरकार और राजनीतिक दल किसी भी तरह की नई घोषणाएं या मतदाताओं को प्रभावित करने वाले काम नहीं कर सकेंगे। इसके अलावा निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव सुनिश्चित करने के लिए चुनाव आयोग ने साफ कर दिया है कि सभी पोलिंग बूथों पर इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (एश्ट) के साथ-साथ वीवीपीएटी (श्श्ढअळ) मशीनों का अनिवार्य रूप से इस्तेमाल किया जाएगा, ताकि मतदाता अपने वोट की पुष्टि कर सकें। इसके अलावा सुप्रीम कोर्ट के पुराने निर्देशों का हवाला देते हुए आयोग ने एक बार फिर दोहराया है कि यदि किसी भी उम्मीदवार का कोई पुराना आपराधिक रिकॉर्ड है, तो इसकी जानकारी छिपाने की अनुमति नहीं होगी। चुनाव आयोग ने साफ किया हैलकि ऐसे उम्मीदवारों और उन्हें टिकट देने वाली राजनीतिक पार्टियों को अनिवार्य रूप से इस बात का पूरा ब्योरा प्रमुख अखबारों, टीवी चैनलों और अपनी आधिकारिक वेबसाइटों पर विज्ञापन के जरिए सार्वजनिक करना होगा। गौरतलब है कि बांकीपुर विधानसभा सीट भाजपा के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के इस्तीफे के बाद खाली हुई थी। मध्य प्रदेश की दतिया विधानसभा सीट कांग्रेस विधायक राजेंद्र भारती को अयोग्य घोषित किए जाने के बाद खाली हुई है। वहीं गुजरात की मांजलपुर विधानसभा सीट भाजपा के वरिष्ठ विधायक योगेशभाई नारायणदास पटेल के निधन के कारण खाली हुई थी।

'बम-बम भोले' के जयघोष के साथ अमरनाथ यात्रियों का पहला काफिला रवाना, एलजी मनोज सिन्हा ने दिखाई हरी झंडी

जम्मू-कश्मीर(वेलकम इंडिया)। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बृहस्पतिवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच जम्मू के भगवती नगर आधार शिविर से अमरनाथ यात्रा के पहले जत्थे को कश्मीर स्थित पहलगाम और बालटाल आधार शिविरों के लिए रवाना किया। करीब 3,880 मीटर की ऊंचाई पर स्थित पवित्र अमरनाथ गुफा मंदिर के लिए 57 दिनों की वार्षिक तीर्थयात्रा तीन जुलाई से शुरू होगी। यात्रा अनंतनाग जिले के पारंपरिक 48 किलोमीटर लंबे नुनवान-पहलगाम मार्ग और गांदरबल जिले के 14 किलोमीटर लंबे, लेकिन अधिक खड़ी चढ़ाई वाले बालटाल मार्ग से एक साथ आरंभ होगी। इसका समापन 28 अगस्त को होगा। अधिकारियों ने बताया कि उपराज्यपाल सिन्हा ने तीर्थयात्रियों के काफिले को रवाना करने से पहले भगवती नगर आधार शिविर में विशेष पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर उनके साथ पुलिस महानिदेशक नलिन प्रभात, विधानसभा में विपक्ष के नेता सुनील शर्मा, भाजपा सांसद जुगल किशोर शर्मा, भाजपा के स्थानीय विधायक, वरिष्ठ प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी तथा विभिन्न धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधि भी मौजूद थे।

बेंगलुरु में दर्दनाक हादसा! पत्थर खदान में चट्टान गिरने से बिहार के 7 मजदूरों की मौत, कई घायल, जांच में जुटी पुलिस

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु से एक बेहद दर्दनाक और झकझोर देने वाला हादसा सामने आया है। बेंगलुरु दक्षिण तालुक के मडापट्टना में गुरुवार सुबह एक पत्थर की खदान (Stone Quarry) में काम के दौरान एक विशालकाय चट्टान गिर गई। इस हादसे में बिहार के रहने वाले कम से कम सात दिहाड़ी मजदूरों की मलबे में दबने से मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कई अन्य मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए खदान मालिकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के संकेत दिए हैं। पुलिस ने बताया कि गुरुवार को कर्नाटक के बेंगलुरु में पत्थर की एक खदान में बड़ी चट्टान गिरने से बिहार के कम से कम सात मजदूरों की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, यह हादसा सुबह-सुबह बेंगलुरु दक्षिण तालुक के मडापट्टना में हुआ, जब कावेरी कंपनी के कर्मचारी एक चट्टान पर काम कर रहे थे। पुलिस ने बताया कि मारे गए सभी लोग दिहाड़ी मजदूर थे जो पत्थर तोड़ने वाली जगह (स्टोन क्रशर साइट) पर काम कर रहे थे; वे गिरी हुई चट्टान के नीचे दब गए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि यह हादसा खदान में खुदाई के काम के दौरान हुआ। शुरूआती जांच के मुताबिक, खदान में काम चल रहा था तभी एक बड़ी चट्टान

टूटकर नीचे काम कर रहे मजदूरों पर गिर गई। अधिकारियों ने बताया कि हादसे के समय खदान में लगभग 15 से 20 मजदूर मौजूद थे। शुरूआती जानकारी से पता चलता है कि एक हिताची मशीन मजदूरों से लगभग 100 फीट ऊपर नई क्रशर यूनिट के लिए जगह बना रही थी। इसी दौरान, एक बड़ी चट्टान अपनी जगह से हट गई और लुढ़ककर नीचे काम कर रहे मजदूरों पर आ गिरी। पुलिस को शक है कि हादसा इसलिए हुआ होगा क्योंकि हिताची मशीन के ऑपरेटर ने ध्यान नहीं दिया कि खुदाई वाली जगह के ठीक नीचे मजदूर काम कर रहे थे।

सीएम शिवकुमार ने दुख जताया

कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने बेंगलुरु दक्षिण तालुक के मडापट्टना में क्रशर साइट पर चट्टान गिरने से सात मजदूरों की मौत पर दुख जताया और इस घटना को बेहद दुखद बताया। उन्होंने कहा, 'बेंगलुरु दक्षिण तालुक के मडापट्टना में क्रशर की दीवार गिरने से 7 मजदूरों की मौत हो गई है, जिससे गहरा दुख हुआ है। मैं प्रार्थना करता हूं कि दिवंगत आत्माओं को शांति मिले, उनके परिवारों को इस दुख को सहने की शक्ति मिले और घायल लोग जल्द ठीक हो जाएं।'

कई मजदूर घायल हुए

घायलों को इलाज के लिए एक प्राइवेट अस्पताल ले जाया गया। घायलों की सही संख्या की पुष्टि की जा रही है, हालांकि शुरूआती रिपोर्टों से पता चला है कि कई मजदूर घायल हुए हैं। हादसे के बाद बचाव दल और पुलिस मौके पर पहुँचे और बचाव अभियान शुरू किया। इलाके की घेराबंदी कर दी गई और अधिकारियों ने मलबा हटाना और किसी अन्य मजदूर के फंसे होने की संभावना की जांच करना शुरू कर दिया।

संपादक की कलम से

लोकतंत्र की मूल आत्मा की रक्षा और भारत का भविष्य

ललित शर्मा
संपादक

विश्व के लोकतांत्रिक इतिहास में भारत का स्थान अत्यंत विशिष्ट है। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात भारत ने जिस दृढ़ता, परिपक्वता और संवैधानिक प्रतिबद्धता के साथ लोकतंत्र को अपनाया, वह विश्व के लिए प्रेरणा का विषय है। अनेक भाषाओं, धर्मों, संस्कृतियों, जातीय समूहों और परंपराओं से युक्त इतना विशाल राष्ट्र आज भी लोकतांत्रिक मूल्यों के आधार पर सफलतापूर्वक संचालित हो रहा है। यह केवल राजनीतिक उपलब्धि नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता की सहिष्णुता, समन्वय और सामाजिक परिपक्वता का प्रमाण है।भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने अपनी प्रसिद्ध कृति डिस्कवरी ऑफ इंडिया में लिखा था भारत स्वयं में एक लघु विश्व है। वास्तव में भारत अनेक सभ्यताओं, संस्कृतियों और जीवन-शैलियों का जीवंत संगम है। भारत की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां भाषाओं, रीति-रिवाजों, खान-पान, वेशभूषा, लोककला, लोकगीत, नृत्य, धार्मिक आस्थाओं और सामाजिक परंपराओं की अद्भुत विविधता होने के बावजूद राष्ट्रीय एकता अक्षुण्ण बनी हुई है। संविधान ने इस विविधता को सम्मान देते हुए सभी नागरिकों को समान अधिकार प्रदान किए तथा भाषाई सौहार्द बनाए रखने के लिए हिंदी को राजभाषा और 22 भारतीय भाषाओं को संविधान की आठवीं अनुसूची में स्थान दिया। डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर ने संविधान सभा में कहा था संविधान कितना भी अच्छा क्यों न हो, यदि उसे चलाने वाले अच्छे नहीं होंगे तो वह सफल नहीं होगा; और यदि संविधान साधारण भी हो, किंतु उसे चलाने वाले अच्छे हों, तो वह सफल सिद्ध होगा।।यह कथन लोकतंत्र में नागरिकों और जनप्रतिनिधियों की नैतिक जिम्मेदारी को रेखांकित करता है। भारत की सामाजिक संरचना अत्यंत जटिल होते हुए भी समन्वयवादी रही है। यहां ग्रामीण और शहरी जीवन, संयुक्त और एकल परिवार, विभिन्न जातीय एवं सांस्कृतिक समूह, जनजातीय समाज तथा आधुनिक जीवनशैली समानांतर रूप से विकसित हुए हैं। अनेक सामाजिक अंतर्विरोधों के बावजूद भारतीय लोकतंत्र ने संवाद, संवैधानिक व्यवस्था और लोकतांत्रिक संस्थाओं के माध्यम से समाधान खोजने का निरंतर प्रयास किया है। महात्मा गांधी का विश्वास था भारत की आत्मा उसके गांवों में बसती है। वे ग्राम स्वराज, पंचायती राज, स्वावलंबन, सर्वोदय और मानवीय विकास को राष्ट्र निर्माण का आधार मानते थे। दूसरी ओर पंडित जवाहरलाल नेहरू आधुनिक विज्ञान, औद्योगिकीकरण, बड़े बांधों और सार्वजनिक उपक्रमों को आधुनिक भारत के निर्माण की आधारशिला मानते थे। इन दोनों दृष्टिकोणों के समन्वय से भारत ने मिश्रित अर्थव्यवस्था का मार्ग अपनाया, जिसने लंबे समय तक विकास की दिशा निर्धारित की। सरदार वल्लभभाई पटेल ने कहा था- 'हमारी शक्ति हमारी एकता में निहित है।' ।स्वतंत्रता के बाद 500 से अधिक रियासतों का भारतीय संघ में विलय उनकी अद्वितीय राजनीतिक दूरदर्शिता का परिणाम था, जिसने राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ किया। ।भारत धार्मिक और आध्यात्मिक दृष्टि से भी विश्व का मार्गदर्शक रहा है। हिंदू, बौद्ध, जैन और सिख धर्मों की जन्मस्थली होने के साथ-साथ भारत ने इस्लाम, ईसाई, पारसी तथा अन्य सभी धर्मों को समान सम्मान दिया। भारतीय संविधान का धर्मनिरपेक्ष स्वरूप इसी समावेशी परंपरा का प्रतिबिंब है। स्वामी विवेकानंद ने कहा था हम केवल सहिष्णुता में ही विश्वास नहीं करते, बल्कि सभी धर्मों को सत्य के रूप में स्वीकार करते

युद्धों की आग में झुलसती मानवता: वैश्विक शक्ति-संघर्ष और अंतरराष्ट्रीय कानून का संकट

एन0के0शर्मा
लेखक

जब सभ्यता ने युद्धों के भयावह अनुभवों से सीख लेकर शांति, न्याय और मानवाधिकारों पर आधारित एक वैश्विक व्यवस्था का स्वप्न देखा था, तब यह विश्वास किया गया था कि अब मानवता तलवार की नहीं, संवाद की भाषा बोलेगी; सीमाएँ बारूद से नहीं, कूटनीति से सुरक्षित होंगी; और शक्तिशाली राष्ट्र भी अंतरराष्ट्रीय कानून के अधीन रहकर विश्व-व्यवस्था का सम्मान करेंगे। किंतु इक्कीसवीं सदी का वर्तमान परिदृश्य इस आदर्श के ठीक विपरीत खड़ा दिखाई देता है। पृथ्वी का विशाल भूभाग आज युद्धों, सैन्य संघर्षों, प्रॉक्सी लड़ाइयों, आर्थिक प्रतिबंधों, साइबर आक्रमणों, ड्रोन हमलों और परमाणु धमकियों की भयावह छाया में जी रहा है। विश्व के अनेक क्षेत्रों में मासूम नागरिकों का रक्त बह रहा है, लाखों लोग अपने घरों से विस्थापित हो चुके हैं, बच्चे अनाथ हो रहे हैं, महिलाएँ हिंसा की सबसे बड़ी शिकार बन रही हैं और पूरी मानव सभ्यता एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है जहाँ शक्ति का अहंकार न्याय की अवधारणा को चुनौती देता दिखाई देता है।

युद्ध केवल सीमाओं पर लड़ी जाने वाली सैन्य लड़ाई नहीं होता; वह मनुष्य की चेतना, उसकी संस्कृति, उसकी अर्थव्यवस्था और उसके भविष्य पर भी आक्रमण करता है। हर गिरता हुआ बम केवल किसी भवन को नहीं गिराता, बल्कि विश्वास, सह-अस्तित्व और मानवता की उन मूलभूत मान्यताओं को भी ध्वस्त करता है जिन पर आधुनिक विश्व व्यवस्था का निर्माण हुआ था। किसी भी युद्ध की वास्तविक कीमत सैनिकों से अधिक वे सामान्य नागरिक चुकाते हैं, जिनका राजनीति, सामरिक रणनीतियों अथवा वैश्विक शक्ति-संतुलन से कोई प्रत्यक्ष संबंध नहीं होता।

आज वैश्विक राजनीति का सबसे चिंताजनक पक्ष यह है कि अंतरराष्ट्रीय कानून की व्याख्या समान रूप से नहीं की जा रही। वही सिद्धांत, जो एक राष्ट्र पर कठोरता से लागू किए जाते हैं, दूसरे राष्ट्र के मामले में मौन हो जाते हैं। कहीं मानवाधिकारों की रक्षा के नाम पर सैन्य हस्तक्षेप उचित ठहराया जाता है, तो कहीं हजारों निर्दोषों की मृत्यु के बावजूद विश्व समुदाय केवल चिंता व्यक्त करके अपने दायित्व की औपचारिकता पूरी कर लेता है। यह दोहरा मापदंड अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की नैतिक विश्वसनीयता को गहरे स्तर पर प्रभावित करता है।

संयुक्त राष्ट्र जैसी संस्थाओं की स्थापना इस उद्देश्य से हुई थी कि भविष्य में विश्व युद्ध जैसी त्रासदियाँ दोबारा न दोहराई जाएँ। परंतु जब शक्तिशाली देशों के रणनीतिक हित वैश्विक न्याय पर भारी पड़ने लगते हैं, तब इन संस्थाओं की प्रभावशीलता पर गंभीर प्रश्न उठना स्वाभाविक है। अनेक अवसरों पर यह अनुभव किया गया है कि जहाँ त्वरित और निर्णायक हस्तक्षेप अपेक्षित था, वहाँ लंबी कूटनीतिक प्रक्रियाएँ, राजनीतिक मतभेद और शक्ति-संतुलन की गणनाएँ मानव जीवन से अधिक महत्त्वपूर्ण बन गईं। परिणामस्वरूप संघर्ष लंबा खिंचता गया और निर्दोष नागरिक उसकी सबसे बड़ी कीमत चुकाते रहे।

आज युद्ध का स्वरूप भी बदल चुका है। पारंपरिक सेनाओं के साथ-साथ सूचना युद्ध, साइबर युद्ध, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित सैन्य तकनीक, ड्रोन, उपग्रह निगरानी, आर्थिक प्रतिबंध, ऊर्जा आपूर्ति पर नियंत्रण और डिजिटल प्रचार तंत्र आधुनिक संघर्षों के नए हथियार बन चुके हैं। किसी देश को पराजित करने के लिए अब केवल उसकी सीमाओं पर हमला करना आवश्यक नहीं रहा; उसकी अर्थव्यवस्था, संचार व्यवस्था, वित्तीय प्रणाली और जनमत को प्रभावित करके भी उसे अस्थिर किया जा सकता है। इस नई युद्ध-व्यवस्था ने अंतरराष्ट्रीय कानून के सामने ऐसी चुनौतियाँ खड़ी कर दी हैं जिनका समाधान अभी तक पूरी तरह विकसित नहीं हो सका है।

परमाणु हथियारों की बढ़ती प्रतिस्पर्धा इस संकट को और अधिक भयावह बना रही है। विश्व के पास इतनी विनाशकारी क्षमता मौजूद है कि यदि परमाणु युद्ध की आशंका वास्तविकता में बदल जाए, तो केवल कुछ देशों का नहीं बल्कि पूरी मानव सभ्यता का अस्तित्व संकट में पड़ सकता है। वैज्ञानिक लंबे समय से चेतावनी देते रहे हैं कि सीमित परमाणु संघर्ष भी वैश्विक जलवायु, कृषि उत्पादन, खाद्य सुरक्षा और मानव स्वास्थ्य पर विनाशकारी प्रभाव डाल सकता है। इसके बावजूद सामरिक संतुलन के नाम पर हथियारों की दौड़ निरंतर जारी है। युद्धों का सबसे भयावह प्रभाव उन बच्चों पर पड़ता है जिनकी आँखों में विद्यालयों के स्थान पर धुएँ के बादल, खिलौनों के स्थान पर मलबा और भविष्य के स्थान पर भय बस जाता है। लाखों बच्चे शिक्षा से वंचित हो जाते हैं, कुपोषण का शिकार बनते हैं, मानसिक आघात झेलते हैं और हिंसा को सामान्य जीवन का हिस्सा मानने लगते हैं। ऐसी पीढ़ियाँ केवल आर्थिक रूप से नहीं, बल्कि भावनात्मक और सामाजिक रूप से भी गहरे संकट का सामना करती हैं। युद्ध समाप्त होने के बाद भी उसके घाव दशकों तक समाज के मानस पर बने रहते हैं। विस्थापन आज मानव इतिहास की सबसे बड़ी मानवीय चुनौतियों में से एक बन चुका है। करोड़ों लोग युद्ध, आतंक, राजनीतिक अस्थिरता और हिंसा के कारण अपने घरों से दूर शरणार्थी शिविरों में जीवन बिताने के लिए विवश हैं। उनके सामने केवल भोजन और आश्रय का संकट नहीं होता, बल्कि पहचान, सम्मान, नागरिक अधिकार, शिक्षा, रोजगार और भविष्य का भी संकट होता है। शरणार्थियों का प्रश्न केवल मानवीय सहायता का विषय नहीं, बल्कि वैश्विक नैतिक उत्तरदायित्व की कसौटी है।

युद्धों का आर्थिक प्रभाव भी अत्यंत व्यापक होता है। रक्षा व्यय में निरंतर वृद्धि शिक्षा, स्वास्थ्य, वैज्ञानिक अनुसंधान, सामाजिक सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण जैसे क्षेत्रों के संसाधनों को सीमित कर देती है। युद्धग्रस्त देशों की आधारभूत संरचनाएँ नष्ट हो जाती हैं, उद्योग बंद हो जाते हैं, निवेश समाप्त हो जाता है, मुद्रास्फीति बढ़ती है और बेरोजगारी व्यापक रूप धारण कर लेती है। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएँ बाधित होने से दूरस्थ देशों तक खाद्यान्न, ऊर्जा और आवश्यक वस्तुओं के मूल्य प्रभावित होते हैं। इस प्रकार किसी क्षेत्रीय युद्ध का प्रभाव भी अंततः पूरे विश्व की अर्थव्यवस्था पर पड़ता है।

जलवायु परिवर्तन और युद्ध का संबंध भी अब स्पष्ट रूप से सामने आ चुका है। सैन्य गतिविधियाँ, ईंधन की अत्यधिक खपत, औद्योगिक विनाश, जंगलों का नाश और पर्यावरणीय प्रदूषण पृथ्वी की पारिस्थितिकी पर गंभीर प्रभाव डालते हैं। दूसरी ओर जलवायु संकट स्वयं जल, भूमि और संसाधनों को लेकर नए संघर्षों की पृष्ठभूमि तैयार करता है। यदि वैश्विक समुदाय ने समय रहते समन्वित प्रयास नहीं किए, तो भविष्य में पर्यावरणीय संकट और सैन्य संघर्ष एक-दूसरे को और अधिक तीव्र कर सकते हैं।

सबसे गंभीर प्रश्न यह है कि क्या अंतरराष्ट्रीय कानून वास्तव में सभी राष्ट्रों पर समान रूप से लागू हो रहा है? यदि उसका पालन केवल कमजोर देशों से अपेक्षित हो और शक्तिशाली राष्ट्र अपने सामरिक हितों के अनुसार उसकी व्याख्या करें, तो कानून की नैतिक शक्ति स्वतः कमजोर पड़ जाती है। न्याय तभी विश्वसनीय होता है जब वह समान रूप से लागू हो; अन्यथा वह केवल राजनीतिक सुविधा का उपकरण बनकर रह जाता है। अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की स्थिरता इसी सिद्धांत पर निर्भर करती है कि शक्ति नहीं, बल्कि विधि सर्वोच्च होगी।

विश्व को यह स्वीकार करना होगा कि स्थायी शांति केवल सैन्य संतुलन से नहीं, बल्कि न्यायपूर्ण वैश्विक व्यवस्था, पारदर्शी कूटनीति, आर्थिक समानता, संसाधनों के न्यायसंगत वितरण, मानवाधिकारों के सम्मान और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की निष्पक्षता से ही संभव है। संवाद की संस्कृति को पुनर्जीवित करना, मध्यस्थता की विश्वसनीय व्यवस्था विकसित करना, युद्ध अपराधों की निष्पक्ष जाँच सुनिश्चित करना, नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देना तथा हथियारों की अंधाधुंध प्रतिस्पर्धा पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना समय की अनिवार्य आवश्यकता है।

मानव इतिहास यह सिखाता है कि कोई भी युद्ध अंततः विजेता और पराजित दोनों को घायल करता है। विजेता को भी भय, अविश्वास और अस्थिरता की विरासत मिलती है, जबकि पराजित को विनाश और पुनर्निर्माण का लंबा संघर्ष। इसलिए वास्तविक विजय युद्धभूमि पर नहीं, बल्कि उस क्षण होती है जब राष्ट्र अपने मतभेदों को संवाद, न्याय और परस्पर सम्मान के माध्यम से सुलझाने का साहस दिखाते हैं।

आज आवश्यकता इस बात की है कि मानवता स्वयं से यह प्रश्न पूछे- क्या विज्ञान, तकनीक और आर्थिक प्रगति का उद्देश्य अधिक विनाशकारी हथियार बनाना है, या ऐसा विश्व निर्मित करना है जहाँ प्रत्येक मनुष्य भयमुक्त होकर सम्मानपूर्वक जीवन जी सके? यदि इस प्रश्न का उत्तर शांति, न्याय और मानव गरिमा के पक्ष में है, तो अंतरराष्ट्रीय कानून को केवल दस्तावेजों में नहीं, बल्कि व्यवहार में समान रूप से लागू करना होगा। अन्यथा युद्धों की यह आग सीमाओं को पार करती हुई अंततः पूरी मानव सभ्यता को अपनी लपटों में समेट सकती है, और तब इतिहास यह लिखेगा कि मनुष्य ने अपनी सबसे बड़ी उपलब्धियों के बीच अपनी सबसे बड़ी नैतिक पराजय स्वयं लिख दी।

बँटवारे की आग

डॉ. सत्यवान सौरभ

कविता

घर-आँगन की छाँव में, पलते प्रेम-विचार।
लोभ लगा जब मन कहीं, टूटे सब परिवार॥

माटी केवल खेत की, नहीं हृदय का मान।
रिश्तों से बढ़कर नहीं, धन-दौलत की शान॥
लालच की इक आग ने, छीना सबका प्यार-
लोभ लगा जब मन कहीं, टूटे सब परिवार॥

भाई-भाई एक थे, संग जिए हर साँस।
दीवारों ने बाँट दी, जीवन की मिठास॥
आँगन तक सीमित नहीं, बँट गए संस्कार-
लोभ लगा जब मन कहीं, टूटे सब परिवार॥

माँ के आँचल की महक, पिता जुड़ा विश्वास।
हिस्सों में जब बँट गया, बिखर गया उल्लास॥
अपनों से ही हारकर, जीता क्या संसार-
लोभ लगा जब मन कहीं, टूटे सब परिवार॥

बाबुल की हर सीख में, जीवन का विस्तार।
जीते-जी ही न्याय हो, मिट जाए तकरार॥
बेटी-बेटा एक हैं, दोनों घर का प्यार-
लोभ लगा जब मन कहीं, टूटे सब परिवार॥

क्रोध अगर अंगार है, क्षमा शीतल नीर।
प्रेम जहाँ जीवित रहे, मिट जाए हर पीर॥
रिश्तों से बढ़कर नहीं, कोई भी उपहार-
लोभ लगा जब मन कहीं, टूटे सब परिवार॥

धरती ये रह जाएगी, खाली होंगे हाथ।
रिश्ते ही पहचान हैं, रखिए इनके साथ॥
'सौरभ' प्रेम बचाइए, यह सच्चा संस्कार-
लोभ लगा जब मन कहीं, टूटे सब परिवार॥

टूटते रिश्ते और बदलती पारिवारिक संरचना

डॉ विजय गर्ग
लेखक

परिवार मानव समाज की सबसे महत्वपूर्ण संस्था है। यह केवल रक्त संबंधों का समूह नहीं, बल्कि प्रेम, विश्वास, सहयोग और साझा मूल्यों का आधार होता है। सदियों से भारतीय समाज में संयुक्त परिवार व्यवस्था सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन की धुरी रही है। किंतु आधुनिक समय में पारिवारिक संरचना तेजी से बदल रही है और रिश्तों में पहले जैसी आत्मीयता और स्थिरता दिखाई नहीं देती। यह परिवर्तन केवल जीवनशैली का नहीं, बल्कि सामाजिक सोच और मानवीय मूल्यों में आए बदलाव का भी संकेत है।

संयुक्त परिवार से एकल परिवार तक

एक समय था जब कई पीढ़ियाँ एक ही छत के नीचे रहती थीं। दादा-दादी, माता-पिता और बच्चे मिलकर जीवन के सुख-दुख साझा करते थे। संयुक्त परिवार में सामूहिकता, सहयोग और आपसी समझ का वातावरण होता था। आज रोजगार, शिक्षा और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की बढ़ती आकांक्षाओं के कारण एकल परिवारों का चलन बढ़ गया है। इससे व्यक्तिगत स्वतंत्रता तो बढ़ी है, लेकिन सामाजिक और भावनात्मक सुरक्षा का दायरा सिमट गया है।

बदलती जीवनशैली और समय का अभाव

आधुनिक जीवन की तेज रफ्तार ने लोगों को अत्यधिक व्यस्त बना दिया है। नौकरी, व्यवसाय और आर्थिक प्रतिस्पर्धा के बीच परिवार के लिए समय निकालना कठिन होता जा रहा है।

परिवार के सदस्य एक ही घर में रहते हुए भी एक-दूसरे से संवाद करने के बजाय मोबाइल फोन और सोशल मीडिया में अधिक समय बिताते हैं। परिणामस्वरूप रिश्तों में निकटता और भावनात्मक जुड़ाव कम होने लगा है।

व्यक्तिवाद का बढ़ता प्रभाव

आज के समाज में व्यक्तिगत उपलब्धियों और स्वतंत्रता को अधिक महत्व दिया जा रहा है। लोग अपने निर्णय स्वयं लेना चाहते हैं और पारिवारिक हस्तक्षेप को सीमित रखना पसंद करते हैं। यह प्रवृत्ति कई बार पारिवारिक सामंजस्य को प्रभावित करती है। जब व्यक्तिगत इच्छाएँ सामूहिक हितों पर हावी हो जाती हैं, तब रिश्तों में टकराव और दूरियाँ पैदा होने लगती हैं।

पीढ़ियों के बीच बढ़ती खाई

नई और पुरानी पीढ़ी के विचारों में व्यापक अंतर दिखाई देता है। बुजुर्ग पारंपरिक मूल्यों और सामाजिक मयार्दाओं को महत्व देते हैं, जबकि युवा आधुनिकता, स्वतंत्रता और नई जीवनशैली को अपनाना चाहते हैं। यदि दोनों पीढ़ियों के बीच संवाद और समझ का अभाव हो, तो यह मतभेद रिश्तों में तनाव का कारण बन सकता है।

आर्थिक दबाव और प्रवास

रोजगार और बेहतर अवसरों की तलाश में बड़ी संख्या में लोग अपने घरों और गांवों से दूर महानगरों या विदेशों में बस रहे हैं। इससे परिवारों का भौगोलिक विखंडन बढ़ रहा है। तकनीक ने संपर्क को आसान बनाया है, लेकिन प्रत्यक्ष संवाद और साथ रहने के अनुभव की कमी को पूरी तरह दूर नहीं किया जा सकता।

रिश्तों में बढ़ती असहिष्णुता

पहले परिवारों में त्याग, धैर्य और समझौते की भावना अधिक होती थी। लोग रिश्तों को बनाए रखने के लिए व्यक्तिगत इच्छाओं में भी संतुलन स्थापित करते थे। आज छोटी-छोटी बातों पर मतभेद और अहंकार रिश्तों को कमजोर कर रहे हैं। सहनशीलता और संवाद की कमी के कारण वैवाहिक जीवन और पारिवारिक संबंधों में तनाव बढ़ रहा है।

समाधान की दिशा

टूटते रिश्तों और बदलती पारिवारिक संरचना की चुनौतियों का समाधान संवाद, संवेदनशीलता और आपसी सम्मान में निहित है। परिवार के सदस्यों को एक-दूसरे के लिए समय निकालना चाहिए, सामूहिक गतिविधियों में भाग लेना चाहिए और एक-दूसरे की भावनाओं को समझने का प्रयास करना चाहिए। बच्चों को बचपन से ही पारिवारिक मूल्यों, बड़ों के सम्मान और सामाजिक जिम्मेदारियों की शिक्षा दी जानी चाहिए।

तकनीक का उपयोग जीवन को सरल बनाने के लिए होना चाहिए, न कि मानवीय संबंधों का स्थान लेने के लिए। आधुनिकता और परंपरा के बीच संतुलन स्थापित करके ही स्वस्थ पारिवारिक जीवन को बनाए रखा जा सकता है। बदलती पारिवारिक संरचना समाज के विकास और परिवर्तन का एक स्वाभाविक परिणाम है, लेकिन यदि इस प्रक्रिया में रिश्तों की गर्माहट और मानवीय संवेदनाएँ खो जाएँ, तो यह समाज के लिए चिंता का विषय बन जाता है। मजबूत परिवार ही मजबूत समाज की नींव होते हैं। इसलिए आवश्यक है कि हम आधुनिक जीवन की चुनौतियों के बीच भी अपने पारिवारिक मूल्यों, आपसी विश्वास और संबंधों की मजबूती को बनाए रखने का प्रयास करें।

डिजिटल प्राइवेसी की नई परत, लेकिन भीतर छिपे बड़े खतरे

आरके जैन
लेखक

मोबाइल नंबर अब तक डिजिटल पहचान का सबसे भरोसेमंद आधार रहा है, लेकिन अब उसकी जगह यूजरनेम लेने की तैयारी है। बदलाव जितना आधुनिक दिखता है, जोखिम भी उतने ही बड़े हैं। व्हाट्सऐप यूजरनेम सुविधा ला रहा है, जिससे उपयोगकर्ता अपना मोबाइल नंबर छिपाकर यूजरनेम के माध्यम से नए संपर्कों से बातचीत कर सकेंगे। दावा है कि इससे निजता मजबूत होगी, लेकिन भारत सरकार ने इसके संभावित खतरों को समय रहते भांप लिया। मेटा को नोटिस भेजकर इस फीचर के भारत में रोलआउट पर अस्थायी रोक लगाना महज तकनीकी कदम नहीं, बल्कि भारत के 50 करोड़ से अधिक व्हाट्सएप यूजर्स की डिजिटल सुरक्षा का सवाल है। जिस देश में रोज हजारों साइबर ठगी होती हों, वहां पहचान को नंबर से हटाकर केवल यूजरनेम के भरोसे छोड़ना क्या अपराधियों को नया हथियार नहीं देगा? आखिर डिजिटल दुनिया में प्राथमिकता सुविधा को मिले या सुरक्षा को?

पहली नजर में मेटा का यह प्रस्ताव बेहद आकर्षक लगता है। इसके तहत हर उपयोगकर्ता 3 से 35 कैरेक्टर्स (अक्षर, संख्या, पीरियड और अंडरस्कोर) वाला यूनिक यूजरनेम चुन सकेगा। इसके बाद बातचीत के लिए मोबाइल नंबर साझा करने की जरूरत नहीं होगी। नंबर केवल अकाउंट वेरिफिकेशन तक सीमित रहेगा, जबकि चैट में उसकी जगह यूजरनेम दिखाई देगा। कंपनी का दावा है कि 'यूजरनेम की' जैसी अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था अनचाहे संदेशों और संदिग्ध संपर्कों पर प्रभावी नियंत्रण रखेगी। कागज पर यह व्यवस्था निजता को मजबूत करती दिखाई देती है, लेकिन तकनीक का इतिहास बताता है कि हर नई सुविधा अपने साथ नए जोखिम भी लाती है। इसलिए असली सवाल यह नहीं कि यह फीचर कितना आकर्षक है, बल्कि यह है कि इसकी सुरक्षा कितनी अभेद्य और भरोसेमंद है। भारत की चिंता वाजिब है। यहां साइबर अपराध पहले ही महामारी बन चुके हैं। डिजिटल अरेस्ट, फर्जी बैंक अलर्ट, निवेश घोटाले, ओटीपी फ्रॉड, सोशल मीडिया इमपर्सनेशन और भावनात्मक ठगी लाखों लोगों को शिकार बना चुके हैं। ऐसे में यदि कोई ठग किसी अधिकारी, पत्रकार, उद्योगपति, लोकप्रिय हस्ती या आम नागरिक के नाम जैसा यूजरनेम पहले ही ले ले (यूजरनेम स्क्वाटिंग), तो छद्मवेश (इमपर्सनेशन) और पहचान की चोरी आसान हो जाएगी। इसके जरिए फर्जी प्रोफाइल बनाकर पैसे ऐंठना, संवेदनशील जानकारी हासिल करना, अफवाह फैलाना और सामाजिक सौहार्द बिगाड़ना आसान होगा। तब यह केवल व्यक्ति का नहीं, बल्कि जनविश्वास, कानून-व्यवस्था और राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा का संकट बन जाएगा। इसलिए सरकार की आशंका कल्पना नहीं, डिजिटल हकीकत है। इन्हीं आशंकाओं के बीच केंद्र सरकार ने मेटा से तीन दिनों में विस्तृत जवाब मांगा है। कंपनी को फीचर का डिजाइन, प्राइवेसी प्रोटोकॉल, सुरक्षा तंत्र, पहचान सत्यापन और दुरुपयोग रोकने के उपाय स्पष्ट करने होंगे। साथ ही समीक्षा पूरी होने तक भारत में इसका रोलआउट रोकने को कहा गया है। यह फैसला तकनीकी प्रगति का विरोध नहीं, बल्कि जिम्मेदार डिजिटल शासन का संकेत है। सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, साइबर सुरक्षा नीतियों और डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन कानून के तहत विदेशी डिजिटल प्लेटफॉर्मों का भारतीय कानूनों और सुरक्षा मानकों का पालन करना अनिवार्य है। डिजिटल भारत में किसी वैश्विक कंपनी की सुविधा से अधिक महत्वपूर्ण नागरिकों की सुरक्षा है। फिर भी इस प्रस्ताव के सकारात्मक पक्षों को नकारा नहीं जा सकता। आज सेवाओं, व्यापार, फ्रीलांसिंग, ऑनलाइन शिक्षा, कंटेंट क्रिएशन और व्यावसायिक संपर्क के लिए मोबाइल नंबर साझा करना लगभग अनिवार्य हो गया है। इसका नतीजा अनचाहे कॉल, स्पैम संदेश, डेटा लीक और निजी जानकारी के दुरुपयोग के रूप में सामने आता है। यदि नए संपर्कों से केवल यूजरनेम से संवाद हो, तो मोबाइल नंबर काफी हद तक छिपा रह सकता है। इसलिए अनेक उपयोगकर्ता इस सुविधा का स्वागत कर रहे हैं, क्योंकि इससे गोपनीयता मजबूत होगी और डिजिटल ट्रैकिंग घटेगी। लेकिन अच्छी मंशा सुरक्षा की गारंटी नहीं होती; मजबूत सुरक्षा के बिना सबसे उपयोगी तकनीक भी सबसे खतरनाक दरवाजा बन सकती है। साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों की सबसे बड़ी चिंता यही है। उनके अनुसार यह फीचर यूजरनेम स्क्वाटिंग, फर्जी खातों और सोशल इंजीनियरिंग हमलों को बढ़ावा दे सकता है। भारत जैसे देश में, जहां भाषाई विविधता, अलग-अलग लिपियां, समान नामों की भरमार और ग्रामीण-शहरी डिजिटल अंतर है, वहां पहचान का सत्यापन अधिक जटिल है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्र: 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

दागी जनप्रतिनिधियों पर कार्रवाई की मांग, चुनाव आयोग से आपराधिक छवि वाले प्रत्याशियों पर रोक लगाने की अपील

राजेंद्र सिंह

बरेली(वेलकम इंडिया)। ऑल इंडिया मुस्लिम मजलिस पार्टी (अक्टट) ने राजनीति के अपराधीकरण पर चिंता व्यक्त करते हुए वर्ष 2022 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में आपराधिक मामलों वाले निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई की मांग उठाई है। पार्टी के प्रदेश संगठन मंत्री मुख्तार अहमद ने जिलाधिकारी बरेली के माध्यम से उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री, मुख्य निर्वाचन अधिकारी एवं भारत निर्वाचन आयोग को ज्ञापन भेजकर मांग की कि लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए आपराधिक पृष्ठभूमि वाले व्यक्तियों को चुनावी राजनीति से दूर रखने हेतु ठोस एवं प्रभावी कदम उठाए जाएं। मुख्तार अहमद ने कहा कि चुनाव लोकतंत्र का सबसे बड़ा पर्व है।जनता अपने प्रतिनिधियों का चयन इस विश्वास के साथ करती है कि वे कानून का सम्मान करेंगे और समाज के विकास के लिए कार्य करेंगे। ऐसे में गंभीर आपराधिक मामलों में आरोपित व्यक्तियों का जनप्रतिनिधि बनना लोकतांत्रिक व्यवस्था और जनता के विश्वास दोनों के लिए चिंता का विषय है । उन्होंने कहा कि वर्ष 2022 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में कई ऐसे विधायक निर्वाचित हुए जिनके चुनावी हलफनामों में आपराधिक मामलों का उल्लेख था। ऐसे मामलों की निष्पक्ष जांच और समयबद्ध सुनवाई सुनिश्चित की जानी

चाहिए।राजनीति को अपराधमुक्त बनाना समय की आवश्यकतामुख्तार अहमद ने स्पष्ट किया कि ऑल इंडिया मुस्लिम मजलिस पार्टी किसी व्यक्ति या राजनीतिक दल विशेष के विरोध में नहीं है। पार्टी की मांग केवल इतनी है कि राजनीति में स्वच्छ छवि, ईमानदारी और जनसेवा की भावना रखने वाले लोगों को आगे आने का अवसर मिले।उन्होंने कहा कि लोकतंत्र तभी सशक्त होगा जब कानून बनाने वाले स्वयं कानून का सम्मान करने वाले हों। हत्या, भ्रष्टाचार, राजकीय घोटालों तथा अन्य गंभीर अपराधों में आरोपित व्यक्तियों को चुनाव लड़ने से रोकने के लिए प्रभावी कानूनी व्यवस्था बनाई जानी चाहिए। साथ ही राजनीतिक दलों को भी ऐसे उम्मीदवारों को टिकट देने से बचना चाहिए जिनकी आपराधिक पृष्ठभूमि सार्वजनिक हो। AIMM की प्रमुख मांगेंवर्ष 2022 विधानसभा चुनाव में आपराधिक मामलों वाले निर्वाचित विधायकों की वर्तमान स्थिति सार्वजनिक की जाए। जिन जनप्रतिनिधियों पर गंभीर आपराधिक मामलों में आरोप तय हो चुके हैं, उनके मामलों की सुनवाई विशेष अदालतों में शीघ्र पूरी कराई जाए।आगामी विधानसभा एवं अन्य चुनावों में गंभीर आपराधिक पृष्ठभूमि वाले प्रत्याशियों पर प्रभावी रोक लगाने के लिए आवश्यक कानूनी प्रावधान किए जाएं।मतदाताओं को प्रत्याशियों की आपराधिक पृष्ठभूमि की जानकारी सरल एवं स्पष्ट भाषा में उपलब्ध कराई जाए। चुनाव प्रक्रिया को अधिक स्वच्छ, निष्पक्ष एवं पारदर्शी बनाने के लिए कड़े और प्रभावी कदम उठाए जाएं।मुख्तार अहमद ने कहा कि जनता को ऐसे जनप्रतिनिधियों का अधिकार है जो ईमानदार, जिम्मेदार और समाज सेवा के प्रति समर्पित हों। राजनीति में अपराधीकरण को समाप्त करना सभी राजनीतिक दलों, निर्वाचन आयोग और समाज की साझा जिम्मेदारी है।

अपना दल (एस) में शामिल हुए ब्रिजेश कश्यप, अनुप्रिया पटेल की मौजूदगी में ग्रहण की सदस्यता

राजेंद्र सिंह

लखनऊ/हापुड़(वेलकम इंडिया)। लखनऊ स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में अपना दल (एस) के संस्थापक स्वर्गीय डॉ. सोनेलाल पटेल की जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में ग्राम कनिया कल्याणपुर, जनपद हापुड़ निवासी ब्रिजेश कश्यप ने अपना दल (एस) की सदस्यता ग्रहण की। राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं भारत सरकार में केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल की गरिमामयी उपस्थिति में उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री एवं अपना दल (एस) के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आशीष पटेल ने ब्रिजेश कश्यप को पार्टी की सदस्यता दिलाई। इस अवसर पर ब्रिजेश कश्यप ने कहा कि वह पार्टी की नीतियों, सिद्धांतों एवं सामाजिक न्याय के विचारों से प्रेरित होकर अपना दल (एस) से जुड़े हैं। उन्होंने संगठन को मजबूत बनाने तथा जनहित के मुद्दों पर पूरी निष्ठा के साथ कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया। कार्यक्रम में पार्टी के अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं विभिन्न जनपदों से आए समर्थक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

ऑल इंडिया हिंदुस्तान कांग्रेस पार्टी ने एसडीएम को सौंपा 7 सूत्रीय ज्ञापन, जनहित के मुद्दों पर कार्रवाई की मांग

राजेंद्र सिंह

हापुड़ गढ़मुक्तेश्वर(वेलकम इंडिया)। ऑल इंडिया हिंदुस्तान कांग्रेस पार्टी के उत्तर प्रदेश प्रदेशाध्यक्ष पंडित गोपाल शर्मा के नेतृत्व में पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने जनहित से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर उप जिलाधिकारी (एसडीएम) गढ़मुक्तेश्वर को महामहिम राज्यपाल, उत्तर प्रदेश के नाम संबोधित 7 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में अयोध्या राम जन्मभूमि मंदिर परिसर में कथित चढ़ावा एवं चांदी चोरी प्रकरण की निष्पक्ष जांच केंद्रीय एजेंसी से कराने, हापुड़, मेरठ, गाजियाबाद, नोएडा सहित अन्य जनपदों के स्कूल, कॉलेज, कोचिंग संस्थानों एवं होटलों में छात्र-छात्राओं की सुरक्षा व्यवस्था की उच्चस्तरीय जांच कराने तथा प्रदेश में लगातार हो रहे पेपर लीक मामलों पर कठोर कार्रवाई की मांग की गई।इसके साथ ही किसानों के बकाया गन्ना भुगतान को शीघ्र दिलाने, ब्रजघाट गंगा घाट पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए पर्याप्त पुलिस व्यवस्था सुनिश्चित करने, कांवड़ यात्रा के दौरान शिवालयों एवं प्रमुख मार्गों पर स्वच्छता, बिजली एवं यातायात व्यवस्था बेहतर बनाने तथा प्रदेश में

बढ़ती हत्या, लूट, दुष्कर्म, रंगदारी और भ्रष्टाचार की घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण की मांग भी ज्ञापन में शामिल रही। प्रदेशाध्यक्ष पंडित गोपाल शर्मा ने कहा कि ज्ञापन में शामिल सभी मुद्दे आम जनता के हित से जुड़े हैं और सरकार को इन पर गंभीरता से शीघ्र कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने एसडीएम से अनुरोध किया कि ज्ञापन को महामहिम राज्यपाल तक तत्काल पहुंचाकर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित कराई जाए। इस दौरान पंडित सुनील शर्मा (प्रदेश कार्यालय प्रभारी), आबिद सैफी (मेरठ मंडल अध्यक्ष, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ), कुलदीप शर्मा (जिलाध्यक्ष मेरठ), अजय शर्मा (जिलाध्यक्ष हापुड़), धर्मवीर कश्यप (जिलाध्यक्ष अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ, हापुड़), राजीव गुप्ता (जिलाध्यक्ष व्यापार प्रकोष्ठ, हापुड़), नरेंद्र शर्मा (जिलाध्यक्ष किसान प्रकोष्ठ, हापुड़), नितिन निर्वाण (जिला सचिव) सहित पार्टी के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भाकियू एकता शक्ति के प्रदेश सह प्रभारी (उत्तर प्रदेश) पद पर परवीन नागर की नियुक्ति

राजेंद्र सिंह

हापुड़(वेलकम इंडिया)। हापुड़ भाकियू एकता शक्ति के राष्ट्रीय कार्यालय में राष्ट्रीय संगठन महामंत्री एडवोकेट अक्षित शर्मा के नेतृत्व में संगठन विस्तार को गति देते हुए परवीन नागर को प्रदेश सह प्रभारी (उत्तर प्रदेश) पद की जिम्मेदारी सौंपी गई।इस अवसर पर एडवोकेट अक्षित शर्मा ने कहा कि संगठन को पूर्ण विश्वास है कि परवीन नागर अपने दायित्वों का निष्ठा, ईमानदारी एवं समर्पण के साथ निर्वहन करते हुए किसानों, मजदूरों एवं आमजन की समस्याओं के समाधान के लिए संगठन को और अधिक सशक्त बनाएंगे।नवनियुक्त प्रदेश सह प्रभारी परवीन नागर ने संगठन के शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें जो महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसका वह पूरी लगन एवं ईमानदारी से निर्वहन करेंगे तथा संगठन की नीतियों और किसान हितों को जन-जन तक पहुँचाने का कार्य करेंगे।भाकियू एकता शक्ति परिवार की ओर से परवीन नागर को नवीन दायित्व मिलने पर हार्दिक शुभकामनाएँ एवं उनके उज्ज्वल एवं सफल कार्यकाल की मंगलकामनाएँ दी गईं। इस अवसर पर राष्ट्रीय महासचिव (युवा) नितिन पंडित, युवा राष्ट्रीय महासचिव पवन शर्मा, मेरठ मंडल अध्यक्ष गौरव त्यागी, युवा मेरठ मंडल अध्यक्ष प्रमोद नेता , युवा महानगर अध्यक्ष (नोएडा) सतीश शर्मा, युवा महानगर उपाध्यक्ष सागर शर्मा, दादरी तहसील अध्यक्ष ब्रज किशोर हर्ष सहित संगठन के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

इंडियन मैडिकल एसोसिएशन, सहारनपुर ब्रांच के द्वारा चिकित्सक दिवस के अवसर पर सम्मान समारोह किया गया आयोजन

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। इंडियन मैडिकल एसोसिएशन, सहारनपुर ब्रांच के द्वारा चिकित्सक दिवस के अवसर पर एक सम्मान समारोह का आयोजन अम्बाला रोड स्थित होटल के सभागार मे हुआ । जिसमे मुख्य अतिथि मेयरडॉक्टरअजयसिंह तथा मुख्य विकास अधिकारी सुमित महाजन ,विशिष्ट अतिथि सी.एम.ओ.डॉक्टर प्रवीण कुमार तथा प्रधानाचार्य मैडिकल कालेज डॉक्टर सुधीर राठी थे। डॉक्टर अजय सिंह ने कहा कि आज चिकित्सक पेशा बहुत चुनौतीपूर्ण दौर से गुजर रहा है, हमे सभी चुनौतीयो का सामना करते हुए इस पेशे की छवि को भी बचाकर रखना है।सी.डी.ओ.सुमित महाजन ने कहा कि जो लोग संवेदनशील होते है वही इस प्रोफेशन मे जाते है। उन्होने कहा कि सभी चिकित्सक अपने मरीज का ध्यान रखते है। सी.एम.ओ.डॉक्टर प्रवीण कुमार ने कहा कि आज चिकित्सक दिवस के अवसर पर हम सबको ये प्रण लेना चाहिए कि हम एथिकल प्रैक्टिस करेगे। आई.एम.ए अध्यक्ष डॉक्टर प्रवीण शर्मा ने सभी चिकित्सको को चिकित्सक दिवस की बधाई दी और कहा कि हमे गरीब

मरीजो का ध्यान रखना चाहिए तथा शासन से अनुरोध किया कि चिकित्सको के लिए कानून का सरलीकरण होना चाहिए। इस वर्ष 1988 बैच के चिकित्सक, डॉक्टर संजय यादव, डॉक्टर संदीप गर्ग, डॉक्टर नीलम गर्ग, डॉक्टर सुभाष सहगल, डॉक्टर रजनीश सिंघल, डॉक्टर रेणू सिंघल, डॉक्टर नरेश सैनी, डॉक्टर मनोज जैन, डॉक्टर विनीता मल्होत्रा,और डॉक्टर मनीषा अग्रवाल को सम्मानित किया गया। पत्रकारिता के क्षेत्र मे विनीत कुमार, प्रणब अग्रवाल, शैलश सक्सेना और मनीष को सम्मानित किया गया।मेधावी छात्रो मे डॉक्टर प्रांजल अग्रवाल, डॉक्टर रोहित मनचन्दा, डॉक्टर अरीब अहमद, डॉक्टर आर्यन सिंह, डॉक्टर रितिका बंसल, डॉक्टर पलक चन्द्रा,डॉक्टर विदुषी वर्मा, अदीवा अहमद, डॉक्टर दिव्याश मिगलानी, सुदीत बंसल, डॉक्टर निहारिका अग्रवाल और डॉक्टर लावण्य राणा को सम्मानित किया गया।सचिव डॉक्टर नीरज आर्य ने सभी अतिथियो का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर महेश ग्रोवर, डॉक्टर नीतू जैन, और डॉक्टर रेणू शर्मा ने किया।इस अवसर पर डॉक्टर अनुपम मलिक, डॉक्टर कलीम अहमद, डॉक्टर नरेश नौसरान, डॉक्टर मोहन सिंह, डॉक्टर राहुल सिंह, डॉक्टर डी.के.गुप्ता,डॉक्टर संजीव अग्रवाल, डॉक्टर महेश चन्द्रा,डॉक्टर कपिल देव, डॉक्टर वन्दना वर्मा, डॉक्टर अंकुर उपाध्याय, डॉक्टर रविकांत, डॉक्टर रजनीश दहूजा,डॉक्टर विकास अग्रवाल, डॉक्टर सौम्या जैन, डॉक्टर पूनम मखीजा,डॉक्टर आर.एन.बंसल, डॉक्टर पंकज खन्ना, डॉक्टर राजेश शर्मा, डॉक्टर इन्दिरा सिंह, डॉक्टर सुशील कुमार, डॉक्टर कर्मवीर सिंह, डॉक्टर मनदीप सिंह आदि चिकित्सक उपस्थित थे।

बी-पैक्स समितियों की शत-प्रतिशत ऋण वसूली पर कर्मियों का सम्मान, पवन हून ने दी बधाई

राजेंद्र सिंह

हापुड़ गढ़मुक्तेश्वर(वेलकम इंडिया)। बी-पैक्स बक्सर के संचालक एवं किसान यूनियन के जिला अध्यक्ष पवन हून ने बी-पैक्स परिवार के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उनकी उत्कृष्ट कार्यशैली, समर्पण एवं टीम भावना के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी हैं। उन्होंने बताया कि नई बी-पैक्स समिति दत्तियाना एवं पीरनगर ने ऋण वसूली में 100 प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त कर अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। वहीं मूल बी-पैक्स बक्सर समिति ने भी 98 प्रतिशत ऋण वसूली कर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। पवन हून ने कहा कि यह सफलता सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों की मेहनत, ईमानदारी, निष्ठा एवं सामूहिक प्रयास का परिणाम है। उन्होंने विश्वास जताया कि भविष्य में भी सभी कर्मचारी इसी लगन और जिम्मेदारी के साथ कार्य करते हुए बी-पैक्स एवं सहकारिता विभाग का नाम और अधिक गौरवान्वित करेंगे। इस अवसर पर उन्होंने सभी कर्मियों को शानदार उपलब्धि पर बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस दौरान सचिव रजत सैनी, अकाउंटेंट ओमबीर सिंह, लाल सिंह, अखिलेश शर्मा, अरुण कुमार, योगेश यादव, गौरव चौधरी एवं जितेंद्र कुमार सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

साइबर ठगी का शिकार हुई युवती के 1 लाख रुपये कराए वापस

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में साइबर अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे धरपकड़ और पीड़ित परिवारों को राहत दिलाने के अभियान को एक और बड़ी सफलता मिली है। सहारनपुर की साइबर क्राइम थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए ऑनलाइन फ्रॉड का शिकार हुई एक युवती की ठगी गई राशि में से 1,00,000 रुपये सकुशल वापस करा दिए हैं। पैसे वापस पाकर पीड़ित परिवार के चेहरे खिल उठे और उन्होंने सहारनपुर पुलिस का दिल से आभार व्यक्त किया है।

मामला बीते साल का है, जब 21 दिसंबर 2025 को गिल कॉलोनी (गली नंबर 4, थाना सदर बाजार, जनपद सहारनपुर) के रहने वाले गौरव गोयल पुत्र अनिल कुमार गोयल ने साइबर क्राइम थाने में एक लिखित तहरीर दी थी।

तहरीर के मुताबिक, किसी अज्ञात जालसाज ने उनकी बहन को एक

फर्जी कंपनी/पोर्टल पर निवेश कर मोटा मुनाफा कमाने का लालच दिया था।

झांसे में आकर वादी की बहन ने अलग-अलग खातों में कुल 5,00,000 रुपये ट्रांसफर कर दिए थे। शिकायत के आधार पर थाना साइबर क्राइम, सहारनपुर में मु0अ0सं0 73/2025 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4), 319(2) और 66डी आईटी एक्ट के अंतर्गत मुकदमा पंजीकृत किया गया था। मुकदमा दर्ज होने के बाद पुलिस अधीक्षक नगर/नोडल अधिकारी (साइबर अपराध) एवं क्षेत्राधिकारी साइबर क्राइम के निकट पर्यवेक्षण और प्रभारी निरीक्षक थाना साइबर क्राइम के कुशल नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया।

साइबर टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और बैंक खातों को खंगालते हुए जालसाजों के खातों को फ्रीज करवाया और कड़े प्रयासों के बाद ठगी गई कुल रकम में से 1,00,000 रुपये आवेदक गौरव गोयल के खाते में वापस (रिफंड) कराने में कामयाबी हासिल की।

पुलिस टीम शेष धनराशि को भी वापस कराने और आरोपियों तक पहुंचने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। अपने डूबे हुए पैसे वापस पाकर पीड़ित गौरव गोयल और उनके परिवार ने सहारनपुर पुलिस व साइबर क्राइम थाना टीम की कार्यशैली की जमकर सराहना की। उन्होंने पुलिस के इस त्वरित एक्शन के लिए पूरी टीम का धन्यवाद किया।

रोटरी क्लब ने किया चिकित्सकों व चार्टर्ड अकाउंटेंट को सम्मानित

राजीव मोंगरा

गंगोह(वेलकम इंडिया)। रोटरी क्लब द्वारा अन्नपूर्णा दिवस एवं राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस व सीए दिवस आयोजित कर समाज एवं स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले चिकित्सकों तथा वित्तीय क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाएँ प्रदान करने वाले चार्टर्ड अकाउंटेंट को सम्मानित किया गया। डॉ. मनोज जैन, डॉ.एस आर सैनी, डॉ. अमित गर्ग, डॉ. विनीत अग्रवाल, डॉ. एनपी सिंह, डॉ. अरुण कुमार, डॉ. रोहित वालिया, डॉ. अपूर्व सैनी, डॉ. स्वाति सैनी, डॉ. ऋषभ गर्ग, डॉ. सुनीता अग्रवाल, डॉ. वीना सैनी, डॉ. निर्मल जैन, डॉ. भारती वालिया तथा सीए दीपक गुप्ता को अंगवस्त्र एवं सम्मान पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। अध्यक्षता नवनिर्वाचित अध्यक्ष राजेन्द्र शर्मा व संचालन कार्यक्रम संयोजक नरेंद्र तायल ने किया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष राजेंद्र शर्मा ने कहा कि क्लब समाज सेवा, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं जनकल्याण के कार्यों को और अधिक गति देकर सेवा के नए आयाम स्थापित करेगा। वक्ताओं ने चिकित्सकों को मानवता के सच्चे सेवक बताया।

जिलाधिकारी अरविन्द कुमार चौहान ने मुक्केबाज अनिक बाबरा को किया सम्मानित

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। पंजाब के जालंधर स्थित लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी में 22 से 29 जून तक आयोजित 5वीं अंडर-15 सब जूनियर राष्ट्रीय बालक बॉक्सिंग प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए उत्तर प्रदेश के प्रतिभाशाली मुक्केबाज अनिक बाबरा ने स्वर्ण पदक जीतने के साथ ही प्रतिष्ठित बेस्ट बॉक्सर का पुरस्कार जीतकर अपने खेल का परचम लहरा दिया। ऐतिहासिक सफलता अर्जित कर सहारनपुर आने पर मुक्केबाज अनिक बाबरा और उनके बॉक्सिंग कोच प्रवीन कुमार को जिलाधिकारी अरविन्द कुमार चौहान ने सम्मानित कर शुभकामनायें देकर उज्जवल भविष्य की कामना की। क्रीड़ा अधिकारी राहुल चोपड़ा ने बताया कि मूल रूप से मेरठ

निवासी अनिक बाबरा वर्तमान में डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्पोर्ट्स स्टेडियम में बॉक्सिंग प्रशिक्षक प्रवीण कुमार के कड़े निर्देशन में नियमित अभ्यास और प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। उन्होने बताया कि लगभग 25 वर्ष बाद उत्तर प्रदेश के किसी मुक्केबाज ने राष्ट्रीय सब जूनियर बॉक्सिंग प्रतियोगिता में बेस्ट बॉक्सर का खिताब अपने नाम किया है। मुक्केबाज अनिक बाबरा को अपर जिलाधिकारी प्रशासन संतोष बहादुर सिंह, एसपी सिटी व्योम बिंदल, नगर मजिस्ट्रेट कुलदीप सिंह, उप जिलाधिकारी सदर सुबोध प्रधान, कीड़ाधिकारी राहुल चोपड़ा, लाल धर्मेंद्र प्रताप, जिला बॉक्सिंग एसोसिएशन की सचिव रितु देवी, तबरेज अहमद, जयेंद्र कुमार, पुनीत आर्य, सन्नी कुमार, रुपेश कुमार, आदेश कुमार, गौरव मलिक, पुष्पेंद्र, शिवनंदन आदि ने अनिक बाबरा और उनके कोच प्रवीन कुमार को शुभकामनाएं एवं बधाई दी।

धोखाधड़ी के मामले में दो वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

राजेंद्र सिंह

हापुड़(वेलकम इंडिया)। जनपद में अपराध की रोकथाम एवं वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना बाबूगढ़ पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता मिली है। पुलिस ने धोखाधड़ी के एक मामले में वांछित चल रहे दो नामजद अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के अनुसार दोनों अभियुक्तों की गिरफ्तारी के बाद आवश्यक विधिक कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायालय में पेश किया गया। जनपद पुलिस का कहना है कि अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा, ताकि कानून-व्यवस्था बनाए रखी जा सके।

वाराणसी में जीती 4 बड़ी चैंपियनशिप, एसएसपी ने किया खिलाड़ियों को सम्मानित

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। उत्तर प्रदेश पुलिस की खेल प्रतियोगिताओं में जनपद सहारनपुर की पुलिस टीम ने अपनी ताकत और हुनर का लोहा मनवाते हुए इतिहास रच दिया है। वाराणसी जोन में आयोजित 51वीं प्रादेशिक कलस्टर उत्तर प्रदेश पुलिस (जूडो, वुशु, ताइक्वांडो, कराटे एवं पेंचक सिलाट) प्रतियोगिता-2026 में सहारनपुर पुलिस के जांबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एक या दो नहीं, बल्कि कुल चार-चार टीम चौंपियनशिप अपने नाम की हैं। वाराणसी में बीते 21 से 24 जून 2026 तक आयोजित इस चार दिवसीय

प्रादेशिक प्रतियोगिता में प्रदेशभर की पुलिस टीमों ने हिस्सा लिया था। इसमें सहारनपुर पुलिस के खिलाड़ियों ने अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन दिखाते हुए निम्नलिखित श्रेणियों में चैंपियनशिप शील्ड पर कब्जा जमाया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने अपने कार्यालय में इन सभी विजेता खिलाड़ियों और टीमों का भव्य स्वागत किया। एसएसपी द्वारा सभी विजेता खिलाड़ियों को टीम चैंपियनशिप शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया। खिलाड़ियों की इस अभूतपूर्व सफलता की सराहना करते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने कहा कि सहारनपुर पुलिस के इन जवानों ने ड्यूटी के साथ-साथ खेल के मैदान पर भी जनपद का मान बढ़ाया है।

मथुरा रिफाइनरी हादसा: प्लांट स्टार्ट-अप में बड़ी लापरवाही, 80% झुलसे मजदूर की हालत गंभीर

जांच की आंच बड़े अधिकारियों तक पहुँचने के आसार

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन की मथुरा रिफाइनरी में शटडाउन के बाद प्लांट स्टार्ट-अप प्रक्रिया के दौरान हुए भीषण हादसे ने प्रबंधन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। बुधवार को फ्लूइड कैटालिटिक क्रैकिंग (एफसीसी) यूनिट में हुए इस हादसे में दो मजदूर गंभीर रूप से झुलस गए थे, जिन्हें नाजुक हालत में दिल्ली के अपोलो अस्पताल रेफर किया गया था। ताजा जानकारी के मुताबिक, घायलों में से एक मजदूर की स्थिति अत्यंत चिंताजनक बनी हुई है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, हादसे के वक्त पीलुआ सादिकपुर निवासी मजदूर दीनदयाल उर्फ दीना एफसीसी यूनिट में बाल्व खोल रहा था, इसी दौरान अचानक लगभग 400 डिग्री तापमान का खौलता हुआ तेल उसके ऊपर गिर गया। इस दर्दनाक हादसे में दीनदयाल 70 फीसदी तक गंभीर रूप से झुलस गया था। इस समय दिल्ली में वह मजदूर जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहा है।

लोगों में चर्चा का विषय यह भी है कि रिफाइनरी प्रमुख मुकुल अग्रवाल ने दिल्ली मुख्यालय और चेयरमैन की नजरों में वाहवाही लूटने और जल्दबाजी में प्लांट स्टार्ट-अप का श्रेय लेने के चक्कर में सुरक्षा मानकों को पूरी तरह से नजरअंदाज कर दिया था, आरोप है कि शटडाउन के दौरान भी कई बड़ी घटनाएं होने से बाल-बाल टली थीं, लेकिन रिफाइनरी प्रमुख ने मामले को दबाने का हरसंभव प्रयास किया था। इस बार भी मामले पर पर्दा डालने की कोशिश की जा रही थी, लेकिन मजदूर की गंभीर हालत के कारण सच सामने आ गया। रिफाइनरी कर्मियों में यह भी चर्चा का विषय बना हुआ है कि चेयरमैन की नजर में नंबर बनाने के चक्कर में रिफाइनरी प्रमुख ने सुरक्षा के साथ समझौता किया था, शटडाउन के दौरान पहले भी कई खतरे टले थे, लेकिन कोई सबक नहीं लिया गया था।

रिफाइनरी में हुए इस गंभीर हादसे की गूंज अब दिल्ली स्थित कॉर्पोरेट मुख्यालय तक पहुँच चुकी है। दिल्ली हेडक्वार्टर ने मामले का संज्ञान लेते हुए उच्च स्तरीय जांच के संकेत दिए हैं। प्लांट स्टार्ट-अप हादसे पर अब जांच की तलवार लटक गई है। अब सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि क्या इस गंभीर लापरवाही के लिए जिम्मेदार शीर्ष अधिकारियों (राजा) पर गाज गिरेगी, या फिर मामले को रफा-दफा करने के लिए छोटे कर्मचारियों (प्यादों) को ही बलि का बकरा बनाकर जांच की इतिश्री कर दी जाएगी। रिफाइनरी के भीतर और बाहर इस समय यह चर्चा का सबसे गर्म विषय बना हुआ है।

हरिद्वार में इस वर्ष कांवड़ मेला 30 जुलाई से 11 अगस्त तक आयोजित होगा

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। आगामी कांवड़ मेले की तैयारियों को लेकर हरिद्वार जिलाधिकारी मयूर दीक्षित की अध्यक्षता में जिला कार्यालय सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह भुल्लर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। जिलाधिकारी ने कहा कि कांवड़ मेले को सुगम सुव्यवस्थाएं, सकुशल संपन्न कराने के लिए सभी विभागों को निर्देश दिए कि कांवड़ मेले से जुड़ी सभी व्यवस्थाएं हर हाल में 25 जुलाई तक पूरी कर ली जाएं। इस वर्ष कांवड़ मेला 30 जुलाई से 11 अगस्त तक आयोजित होगा। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि कांवड़ यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए बिजली, पेयजल, बैरिकेडिंग, पार्किंग, कांवड़ पटरी मार्ग की झाड़ियों की कटाई, पेड़ों की लॉपिंग और अन्य मूलभूत व्यवस्थाएं समय रहते पूरी की जाएं। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को निर्देश दिए गए कि यात्रा मार्ग पर चल रहे सभी निर्माण कार्य शीघ्र पूरे कर निर्माण सामग्री तत्काल हटाई जाए, ताकि यातायात प्रभावित न हो। डीएम ने नगर निगम और जिला पंचायत को व्यापक सफाई अभियान चलाने, सार्वजनिक शौचालयों की नियमित सफाई और पर्याप्त पानी की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्य चिकित्सा अधिकारी को कांवड़ मार्ग पर स्वास्थ्य सेवाएं सुदृढ़ करने तथा बिना अनुमति किसी भी निजी स्वास्थ्य शिविर के संचालन पर रोक लगाने को कहा गया। खाद्य सुरक्षा विभाग को होटल, ढाबों और भोजनालयों की नियमित जांच करने, खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने तथा रेट लिस्ट अनिवार्य रूप से प्रदर्शित कराने के निर्देश दिए गए, ताकि श्रद्धालुओं से ओवररेटिंग या मिलावट जैसी शिकायतें न हों। डीएम ने सिंचाई विभाग और संबंधित एजेंसियों को सभी घाटों पर रेलिंग, चेन और अन्य सुरक्षा इंतजाम मजबूत करने तथा घाटों की साफ-सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही यात्रा मार्ग और घाटों पर अतिक्रमण हटाने के लिए अभियान चलाने को कहा गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह भुल्लर ने पुलिस अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों की व्यवस्थाओं की समय रहते समीक्षा करने, भीड़ नियंत्रण और यातायात प्रबंधन की विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने तथा सभी विभागों के साथ समन्वय बनाकर काम करने के निर्देश दिए। बैठक में नगर आयुक्त नंदन कुमार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. आर.के. सिंह, अपर मेला अधिकारी दयानन्द सरस्वती, अपर जिलाधिकारी जितेंद्र कुमार, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट दीपक रामचंद्र सेठ, सचिव एचआरडीए प्रत्युष सिंह, एसपी ट्रैफिक निशा यादव, एसपी सिटी अभय प्रताप सिंह, एसपी देहात शेखर सुयाल, उप जिलाधिकारी हरिद्वार योगेश मेहरा, मुख्य अग्नि समन अधिकारी वंश बहादुर यादव, सी.ओ., एसएचओ सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

मानसी गंगा में डूबने की घटनाओं के विरोध में आमरण अनशन शुरू, सात सूत्रीय मांगों पर कार्रवाई तक आंदोलन जारी

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/गोवर्धन। मानसी गंगा में लगातार हो रही डूबने की घटनाओं और सुरक्षा व्यवस्था में कथित लापरवाही के विरोध में सामाजिक कार्यकर्ता चौधरी विनोदी सिंह के नेतृत्व में अनिश्चितकालीन आमरण अनशन शुरू कर दिया गया है। अनशनकारियों का आरोप है कि बार-बार हादसे होने के बावजूद प्रशासन श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों की सुरक्षा के लिए प्रभावी इंतजाम करने में विफल रहा है। प्रदर्शनकारियों ने जिला प्रशासन, तहसील प्रशासन और नगर पंचायत को सात सूत्रीय ज्ञापन सौंपते हुए संबंधित उपजिलाधिकारी को हटाने, मानसी गंगा के चारों ओर मजबूत रेलिंग व बैरियर लगाने, प्रशिक्षित गोताखोरों और लाइफगार्ड की तैनाती, प्रत्येक घाट पर लाइफ जैकेट व अन्य बचाव उपकरण उपलब्ध कराने, संयुक्त सुरक्षा ड्यूटी लगाने, सुरक्षित स्नान क्षेत्र चिन्हित करने तथा स्थायी सुरक्षा कार्ययोजना लागू करने की मांग की है। अनशनकारियों का कहना है कि यह आंदोलन किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ नहीं, बल्कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित कराने के लिए है और मांगें पूरी होने तक आमरण अनशन जारी रहेगा।

मानसखण्ड मंदिर माला मिशन के अंतर्गत प्रमुख मंदिरों के सौंदर्यीकरण के लिए विधायक ने दिलायी करोड़ो की सौगात

गोविन्द मेहता

- भद्रकाली मंदिर कांडा, के सौंदर्यीकरण हेतु 92.29 लाख,
- बदियाकोट स्थित माँ भगवती मंदिर के निर्माण हेतु 115.46 लाख की परियोजना को मिली स्वीकृति

बागेश्वर(वेलकम इंडिया)। कपकोट विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए क्षेत्रीय विधायक सुरेश गड़िया निरंन्तर प्रयासरत हैं। विधानसभा क्षेत्र की समस्याओं के समाधान हेतु विधायक गड़िया द्वारा प्रत्येक क्षेत्र में विकास की किरणें आमजन तक पहुचाई है। वही कपकोट विधायक सुरेश गढ़िया ने मानसखण्ड मंदिर माला मिशन के अंतर्गत भद्रकाली मंदिर कांडा, के सौंदर्यीकरण हेतु 92.29 लाख, की स्वीकृति शासन से स्वीकृत कराई है जिसमें विकास कार्य हेतु 55 लाख रुपए की प्रथम किस्त कार्यदायी संस्था को जारी कर दी गई है।

जबकि बदियाकोट स्थित माँ भगवती मंदिर के सौंदर्यीकरण हेतु एक करोड़ 15 लाख 46 हजार रुपए की धनराशि स्वीकृत,हुई है। जिसमें शासन द्वारा 69 लाख की प्रथम किस्त जारी कर दी गई है।

वही लोगों ने क्षेत्र की आस्था के प्रमुख मंदिरों का सौन्दर्यीकरण हेतु क्षेत्रीय जनमानस ने विधायक सुरेश गढ़िया का कोटि कोटि आभार जताया है। विधायक गढ़िया ने कहा कि लगातार विकास कार्यो को कराने हेतु प्रतिबद्ध है। दोनों मन्दिर आस्था के प्रमुख केंद्र है। सभी श्रद्धालुओं को इसका लाभ मिलेगा और यहां धार्मिक पर्यटन में भी वृद्धि होगी। कहा कि सांस्कृतिक धरोहरों का संरक्षण हो रहा है तथा श्रद्धालुओं के लिए बेहतर सुविधाओं का विस्तार सुनिश्चित हो रहा है। यह कार्य क्षेत्र के विकास, धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने और स्थानीय जनभावनाओं के सम्मान की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

राष्ट्र के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं राजनाथ सिंह: डॉ बिंदेश दीक्षित

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/गोवर्धन। भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के दिल्ली स्थित आवास पर प्राविधिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश के पूर्व उपाध्यक्ष एवं दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री बलदेव राज शर्मा की पुस्तक के विमोचन समारोह में गोवर्धन के जी एम नर्सिंग पैरामेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ बिन्देश कुमार 'बॉबी' भी विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बलदेव राज शर्मा की पुस्तक 'मेरे संस्करण मेरी धरोहर' (जनसंघ से भाजपा तक) का विमोचन किया। वरिष्ठ पत्रकार एवं कवि राज कौशिक ने समारोह का संचालन किया। गोवर्धन से गए डॉ बिंदेश दीक्षित बॉबी ने राजनाथ सिंह और बलदेव राज शर्मा को राधा नामी दुपट्टे पहना कर उनका अभिनंदन किया। डॉ बिंदेश दीक्षित ने कहा कि राजनाथ सिंह जैसे साफ छवि वाले और सर्व स्वीकार्य राजनेता का महत्व राष्ट्र की राजनीति में हमेशा बना रहता है। यूपी के कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा, शिक्षाविद व वरिष्ठ भाजपा नेता पृथ्वी सिंह कसाना व वरिष्ठ पत्रकार सलामत मियां आदि उपस्थित रहे।

24 लाख की चोरी का खुलासा, दो शातिर गिरफ्तार

स्वाट व हैदराबाद पुलिस की संयुक्त कार्रवाई, सोना-चांदी, नकदी और तमंचा बरामद

मोहम्मद असलम

लखीमपुर खीरी(वेलकम इंडिया)। स्वाट टीम और थाना हैदराबाद पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए करीब 24 लाख रुपये की चोरी का खुलासा कर दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों के कब्जे से करीब 125 ग्राम सोने के आभूषण, डेढ़ किलो चांदी के जेवर, 64,700 रुपये नकद, अवैध तमंचा, कारतूस और चोरी में प्रयुक्त उपकरण बरामद किए गए हैं। पुलिस अधीक्षक डॉ. ख्याति गर्ग ने गुरुवार को पुलिस लाइन सभागार में पत्रकार वार्ता के दौरान बताया कि 21 मई की रात थाना हैदराबाद क्षेत्र के ग्राम सेमरई में चंद्रप्रकाश मिश्र के घर से नकदी और जेवर चोरी हुए थे।

घटना के खुलासे के लिए स्वाट, सर्विलांस और थाना पुलिस की संयुक्त टीम गठित की गई थी। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने कंजरापुर-देवकली मार्ग के पास से मनीराम गौतम उर्फ मन्नी (48) निवासी गुड़रिया और पवन (20) निवासी शुक्लाबाट करवा, थाना धौरहरा को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में दोनों ने थाना धौरहरा क्षेत्र के ग्राम कफारा में हुई चोरी की वारदात में भी शामिल होने की बात स्वीकार की पुलिस के अनुसार आरोपितों से करीब 20 लाख रुपये कीमत के 125 ग्राम सोने के आभूषण, लगभग चार लाख रुपये मूल्य के डेढ़ किलो चांदी के जेवर, 64,700 रुपये नकद, बिना नंबर प्लेट की मोटरसाइकिल, चोरी में प्रयुक्त औजार तथा 315 बोर का एक अवैध तमंचा और दो कारतूस बरामद हुए हैं। एसपी ने बताया कि मुख्य आरोपित मनीराम गौतम पर हत्या के प्रयास, लूट, गैंगस्टर, आर्म्स एक्ट और चोरी समेत विभिन्न थानों में 51 मुकदमे दर्ज हैं। दोनों आरोपितों को न्यायालय में पेश कर जेल भेजा जा रहा है। घटना के सफल अनावरण पर पुलिस अधीक्षक ने स्वाट, सर्विलांस और थाना हैदराबाद पुलिस टीम को पुरस्कृत करने की घोषणा की।

एचपीसीएल डिपो पर टैंकर चालकों ने किया प्रदर्शन, भराई कार्य रहा प्रभावित

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/फरह। रिफाइनरी साइट-बी स्थित हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) डिपो पर बुधवार को टैंकर चालकों ने बदसलूकी और मूलभूत सुविधाओं के अभाव को लेकर प्रदर्शन किया। चालकों ने आरोप लगाया कि डिपो में कर्मचारियों द्वारा अभद्र व्यवहार किया जाता है तथा पीने के पानी, शौचालय और बैठने जैसी सुविधाओं का अभाव है।

प्रदर्शन के दौरान 500 से अधिक टैंकर डिपो गेट पर खड़े रहे, जिससे पेट्रोल-डीजल की भराई प्रभावित हुई। चालकों ने डांगरी की अनिवार्यता और भराई में कम-ज्यादा ईंधन होने पर कार्रवाई किए जाने पर भी नाराजगी जताई।

डिपो प्रबंधक विपिन आर्य ने बताया कि चालकों की समस्याओं के समाधान के लिए वाहन मालिकों और यूनियन के साथ बैठक कर तीन सदस्यीय समिति बनाई जाएगी तथा आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

चालकों ने चेतावनी दी है कि यदि 48 घंटे के भीतर समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो वे अनिश्चितकालीन आंदोलन शुरू करेंगे।

निगम ने नाला सफाई अभियान में झोंके दर्जनों वाहन

वेलकम इंडिया ब्यूरो

सहारनपुर। नगर निगम के स्वास्थय विभाग द्वारा वर्षा ऋतु के दृष्टिगत गत एक जून से शुरू किए गए नाला सफाई अभियान के तहत जहां क्रेगी नाला व चिलकाना रोड के बड़े नाले साफ करा दिए गए हैं वहीं मझौले नालों की सफाई का कार्य जारी है। नालों की सफाई के साथ ही शिल्ट उठान का कार्य भी साथ-साथ कराया जा रहा है। इसके लिए निगम ने एक दर्जन पोकलेन व तीन जेसीबी तथा आधा दर्जन टैज्क्टरों सहित अपने दर्जनों वाहन इस अभियान में लगाए हैं। नगरायुक्त शिपू गिरि के निर्देश पर वर्षा ऋतु के दृष्टिगत शुरू किये गए नाला सफाई अभियान को पुनः गति देते हुए बडे-छोटे नालों और मझौले नालों की सफाई का कार्य लगातार किया जा रहा है। नगर स्वास्थय अधिकारी डॉ. प्रवीण शाह ने बताया कि महानगर में कुल 316 नाले हैं जिनमें से चार बडे, 276 मझौले और 36 छोटे नाले हैं। कुल 168 किमी लंबे इन नालों का पहला सफाई अभियान 3 मार्च 2026 से 31 मई 2026 तक चलाया गया था। अब वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए गत एक जून से पुनः नाला सफाई अभियान शुरू किया गया है, जो लगातार जारी रहेगा। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत सात मझौले नाले हर रोज साफ कराये जा रहे है। जिन नालों में पीछे से बहकर कचरा आता है उन्हें प्राथमिकता के साथ साफ कराया जा रहा है। नगर स्वास्थय अधिकारी ने बताया कि नालों की सफाई कराने के साथ ही नालों से निकाली जा रही शिल्ट भी साथ-साथ उठवायी जा रही है। शिल्ट उठान के लिए अलग से 05 पोकलेन, एक जेसीबी, 03 रोबोट, 06 टैज्क्टर, 02 जेसीबी व 06 टिपर लगाये गए हैं। उन्होंने बताया कि जहां शिल्ट बहुत ज्यादा गीली होती है, वहां शिल्ट उठान का कार्य अगले दिन किया जा रहा है। नगर स्वास्थय अधिकारी ने शहर के लोगों से अपील की है कि वे अपने घरों व दुकानों/प्रतिष्ठानों का कूड़ा-कचरा नाले-नालियों में न डालकर निगम के कर्मचारियों को ही दें। इससे शहर की सफाई व्यवस्था भी ठीक रहेगी और नालों में कचरा जमा होने के कारण जल भराव भी नहीं होगा। उधर मुख्य सफाई निरीक्षक परमानंद ने बताया कि पांवधोई की सफाई का कार्य भी पूरा कर लिया गया है। जिसकी व्यापार बंधु से जुडे. व्यापारियों ने भी सराहना की है।

अखिलेश यादव के जन्मदिन पर उमड़ा जनसैलाब, 2027 में उत्तर प्रदेश में परिवर्तन तय: मो0 अरशद खान

वेलकम इंडिया ब्यूरो

जौनपुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव, भारत किसान यूनियन के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहम्मद अरशद खान ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के जन्मदिवस के अवसर पर पीडीए भवन, कटघरा, जौनपुर में आयोजित विशाल समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि आज पूरे उत्तर प्रदेश में उमड़ा जनसैलाब और कार्यकताओं का अभूतपूर्व उत्साह इस बात का स्पष्ट संकेत है कि वर्ष 2027 में उत्तर प्रदेश की जनता परिवर्तन का इतिहास लिखने जा रही है। यह भीड़ केवल जन्मदिन मनाने के लिए नहीं जुटी है, बल्कि यह अन्याय, दमन और जनविरोधी नीतियों के विरुद्ध जनता के आक्रोश तथा परिवर्तन की आकांक्षा का प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश का किसान अपनी फसल का लाभकारी मूल्य चाहता है, नौजवान रोजगार चाहता है, मजदूर अपने श्रम का सम्मान चाहता है, महिलाएँ सुरक्षा और स्वाभिमान चाहती हैं तथा पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक समाज संविधान के अनुरूप सम्मान, बराबरी और सत्ता में अपनी वास्तविक भागीदारी चाहता है। इन सभी वर्गों की उम्मीदों का सबसे बड़ा केंद्र आज अखिलेश यादव का नेतृत्व बन चुका है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता भय, नफरत और दमन की राजनीति से मुक्ति चाहती है। जनता ऐसा उत्तर प्रदेश चाहती है जहाँ संविधान सर्वोपरि हो, कानून का राज हो, गरीब और कमजोर की आवाज सुनी जाए, किसी निर्दोष के साथ अन्याय न हो तथा शासन संवैधानिक मयार्दाओं के अनुरूप चले। समाजवादी पार्टी सामाजिक न्याय, लोकतंत्र, भाईचारे और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ संघर्ष करती रहेगी। उन्होंने कहा कि समाजवादी सरकार बनने पर किसानों की आय बढ़ाने, फसलों का उचित मूल्य दिलाने, मजदूरों के अधिकारों की रक्षा करने, युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने, शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करने तथा महिलाओं को सम्मान और सुरक्षा प्रदान करने की दिशा में ठोस और ऐतिहासिक कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर, डॉ. राममनोहर लोहिया और जननायक कपूर्री ठाकुर के सामाजिक न्याय के विचारों को आगे बढ़ाते हुए समाजवादी पार्टी पीडीए समाज को सम्मान, बराबरी और निर्णय प्रक्रिया में न्यायपूर्ण भागीदारी सुनिश्चित करेगी। यही उत्तर प्रदेश के विकास और सामाजिक समरसता का सबसे मजबूत आधार बनेगा। मो0 अरशद खान ने कहा कि आज प्रदेश का किसान, मजदूर, नौजवान, शिक्षक, कर्मचारी, व्यापारी, दलित, पिछड़ा, अल्पसंख्यक और हर वंचित वर्ग बड़ी उम्मीद के साथ अखिलेश यादव की ओर देख रहा है। जनता समझ चुकी है कि विकास, सामाजिक न्याय, भाईचारा और लोकतंत्र को मजबूत करने वाला नेतृत्व केवल अखिलेश यादव दे सकते हैं।

धामी ने मानसून पूर्व राज्य स्तरीय मॉक ड्रिल का निरीक्षण किया

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री ने मानसून पूर्व राज्य स्तरीय मॉक ड्रिल का निरीक्षण कर आपदा प्रबंधन से जुड़ी तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने सभी जनपदों को आगामी 72 घंटे के भीतर अपनी तैयारियों की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही आपदा प्रबंधन में स्थानीय नागरिकों, स्वयंसेवी संगठनों एवं ग्राम स्तरीय समितियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने तथा जल पुलिस, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ एवं जिला प्रशासन को बेहतर समन्वय के साथ पूर्ण सतर्कता से कार्य करने के निर्देश दिए। सीएम ने कहा कि प्रदेश में एआई आधारित अर्ली वार्निंग सिस्टम, ड्रोन सर्विलांस, जीआईएस मैपिंग एवं डिजिटल मॉनिटरिंग जैसी आधुनिक तकनीकों के माध्यम से आपदा प्रबंधन को और अधिक प्रभावी बनाया जा रहा है। इस अवसर पर राज्य एवं जिला आपदा प्रबंधन योजनाओं से संबंधित पुस्तक का विमोचन भी किया।

वासिन गांव के कोटे की जांच में 75 कार्डधारकों से पूछताछ, कोटेदार के पक्ष में दिखे ग्रामीण

कोटेदार ने शिकायत को बताया राजनीतिक साजिश

वेलकम इंडिया संवाददाता

- कम राशन और अंगूठा लगवाकर खाद्यान्न न देने की शिकायत पर हुई है जांच;
- कोटेदार प्रतिनिधि ने शिकायतकर्ता पर लगाए गंभीर आरोप, रिपोर्ट डीएम को भेजी जाएगी

संतकबीरनगर। खलीलाबाद तहसील क्षेत्र के सेमरियावां ब्लॉक अंतर्गत ग्राम वासिन में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (कोटे) को लेकर लंबे समय से चल रहा विवाद एक बार फिर चर्चा में है। बूढ़ान नगर मदाइन निवासी सुहेल अहमद द्वारा जिलाधिकारी को दिए गए शिकायती प्रार्थना पत्र के आधार पर बुधवार को सदर तहसील के नायब तहसीलदार प्रेम नारायण की अध्यक्षता में जिला पूर्ति विभाग की टीम ने गांव पहुंचकर जांच की।

जांच के दौरान टीम ने गांव के 75 राशन कार्डधारकों के घर-घर जाकर सत्यापन किया। अधिकारियों ने लाभार्थियों से निर्धारित मात्रा में खाद्यान्न मिलने, अंगूठा लगवाने के बावजूद राशन न मिलने और वितरण व्यवस्था से जुड़े अन्य बिंदुओं पर जानकारी ली। नायब तहसीलदार प्रेम नारायण ने बताया कि जांच पूरी कर रिपोर्ट तैयार की जाएगी और उसे जिलाधिकारी को भेजा जाएगा। अंतिम निर्णय जिलाधिकारी स्तर से लिया जाएगा।

शिकायत में लगाए गए थे गंभीर आरोप

शिकायतकर्ता सुहेल अहमद ने 5 जून 2026 को जिलाधिकारी को दिए गए प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया था कि ग्राम वासिन की कोटेदार जाहिदा खातून राशन कार्डधारकों को निर्धारित मात्रा से कम राशन देती हैं। साथ ही कई बार लाभार्थियों से ई-पॉस मशीन पर अंगूठा लगवाने के बावजूद खाद्यान्न नहीं दिया जाता, जिससे ग्रामीणों में नाराजगी है।

कोटेदार प्रतिनिधि ने आरोपों को बताया राजनीतिक द्वेष

जांच के दौरान कोटेदार जाहिदा खातून के पति एवं प्रतिनिधि अफसरुद्दीन ने सभी आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि शिकायत पूरी तरह राजनीतिक द्वेष से प्रेरित है। उनका कहना है कि शिकायतकर्ता सुहेल अहमद गांव से चुनाव लड़ चुके हैं और हार के बाद लगातार कोटे की व्यवस्था को विवादित बनाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि बार-बार शिकायत कर अधिकारियों को गुमराह किया जा रहा है, जिससे गांव के राशन वितरण कार्य में अनावश्यक बाधा उत्पन्न हो रही है।

अफसरुद्दीन ने दावा किया कि अभी केवल 75 कार्डधारकों से पूछताछ हुई है। यदि पूरे गांव के लाभार्थियों का सत्यापन कराया जाए तो अधिकांश लोग राशन वितरण व्यवस्था से संतुष्ट मिलेंगे और उनके खिलाफ लगाए गए आरोप सही साबित नहीं होंगे।

5 जून की घटना भी बनी विवाद का कारण

कोटेदार प्रतिनिधि ने बताया कि 5 जून को सरकारी खाद्यान्न ट्रक से उतरने के बाद निर्धारित प्रक्रिया के तहत पिकअप वाहन से दूसरे ग्रामसभा के गोदाम तक भेजा जा रहा था। इसी दौरान शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि सरकारी राशन बाजार में बेचा जा रहा है।

मामले की सूचना प्रशासन को दी गई, जिसके बाद मौके पर पुलिस और आपूर्ति विभाग के अधिकारियों ने जांच की। अफसरुद्दीन का कहना है कि उस जांच में भी उनके खिलाफ कोई अनियमितता नहीं पाई गई थी।

पिकअप चालक ने भी दिया लिखित बयान

मामले में पिकअप चालक इमरान पुत्र मुस्ताक अहमद निवासी पकरी नासिर, थाना मुंडेरवा ने भी लिखित बयान दिया।

चालक के अनुसार उसे अफसरुद्दीन ने दूसरे ग्रामसभा का खाद्यान्न पहुंचाने के लिए बुलाया था। उसने बताया कि मौके पर सुहेल अहमद ने वीडियो बनाते हुए वाहन रोक लिया और विवाद हुआ। चालक का कहना है कि बाद में दबाव में उससे यह कहलवाया गया कि खाद्यान्न वासिन का था, जबकि उसके अनुसार वाहन में दूसरे ग्रामसभा का खाद्यान्न लादा जा रहा था। उसने अधिकारियों से अपने वास्तविक बयान को रिकॉर्ड में शामिल करने का अनुरोध किया। अब पूरे मामले की जांच रिपोर्ट जिलाधिकारी को भेजी जाएगी, जिसके आधार पर आगे की कार्रवाई तय होगी। फिलहाल शिकायतकर्ता और कोटेदार पक्ष दोनों अपने-अपने दावों पर कायम हैं, जबकि प्रशासन जांच रिपोर्ट के आधार पर निर्णय लेने की बात कह रहा है।

गली में खड़े युवक से मारपीट, दो पड़ोसियों पर आरोप

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। नगर के मोहल्ला रायजादगान में गली में खड़े एक युवक के साथ पड़ोस के दो लोगों द्वारा मारपीट करने का आरोप लगाया है। पीड़ित की मां ने दो आरोपियों के खिलाफ थाने में नामजद तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

नगर के मोहल्ला रायजादगान निवासी सीमा पत्नी सोनू ने थाने में दी गई तहरीर में बताया कि उसका पुत्र शिवम घर के बाहर गली में खड़ा था। आरोप है कि इसी दौरान पड़ोस के दो लोग उसके पुत्र के पास पहुंचे और गाली-गलौज करने लगे।

विरोध करने पर दोनों आरोपियों ने मिलकर शिवम के साथ मारपीट कर दी। शोर-शराबा सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए और बीच-बचाव कर किसी तरह शिवम को आरोपियों के चंगुल से छुड़ाया।

आरोप है कि भीड़ एकत्र होती देख दोनों आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। पीड़िता ने दोनों आरोपियों के खिलाफ नामजद तहरीर देकर कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

दूसरी और मोहल्ला रायजादगान निवासी नासिर ने बताया कि उसकी भतीजी की शादी थी और उसके साले का पुत्र अफफान निकट की परचून की दुकान से कोल्ड ड्रिंक लेने गया था आरोप है कि कई लोगों ने पड़कर उसके साथ मारपीट कर घायल कर दिया पुलिस ने दोनों मामलों में जांच शुरू कर दी है।

चकबंदी अंश निर्धारण के संबंध में जिलाधिकारी ने किया गांव का दौरा, सुनी किसानों की समस्याएं

अंश निर्धारण का कार्य पूरी पारदर्शिता एवं निष्पक्षता से हो डीएम

हरेन्द्र शर्मा

हापुड़(वेलकम इंडिया)। हापुड़ जनपद की जिलाधिकारी कविता मीना ने तहसील हापुड़ व धौलाना के ग्राम चितौली तथा चचोई का भ्रमण कर चकबंदी/अंश निर्धारण प्रक्रिया की प्रगति का स्थलीय दौरा किया। जिलाधिकारी ने काश्तकारों से सीधे संवाद किया और उनकी आपत्तियों को सुना।जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अंश निर्धारण का कार्य पूरी पारदर्शिता एवं निष्पक्षता से किया जाए।

प्रत्येक काश्तकार को उसकी मूल जोत के अनुपात में, मूल्यांकन के आधार पर एवं चक मार्ग-सिंचाई नाली की सुविधा के साथ चक आवंटित किया जाए। उन्होंने मौके पर मौजूद किसानों की समस्याएं सुनीं तथा संबंधित अधिकारी को निर्देश दिए कि अंश निर्धारण पर प्राप्त आपत्तियों का धारा-9, धारा-10 एवं धारा-20 के तहत समयबद्ध निस्तारण हो। कोई भी पात्र काश्तकार चक से वंचित न रहे। वरासत, बंटवारा एवं त्रुटि सुधार के मामले प्राथमिकता से निपटाए जाएं।

उन्होंने निर्देश दिए कि राजस्व एवं चकबंदी टीम संयुक्त रूप से मौके पर जाकर किसान की मौजूदगी में चक की पैमाइश कर मेड़बंदी कराएं।

चक मार्ग,खलिहान,खाद के गड्ढे,आबादी एवं सार्वजनिक स्थल नियमानुसार छोड़े जाएं। गांव में मुनादी एवं चौपाल के माध्यम से किसानों को अंश निर्धारण, चक आवंटन एवं अपील की प्रक्रिया की जानकारी दी जाए।

जिलाधिकारी ने कहा कि अंश निर्धारण में किसी के साथ भेदभाव नहीं होगा यदि किसी को आपत्ति है तो लिखित रूप से दें।

बेलहर की डॉ. पूजा त्रिपाठी असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर चयनित, परिजनों ने दी बधाई

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। लक्ष्य कितना भी कठिन क्यों न हो लेकिन जब उसे ठान लिया जाता है तो वह आसान हो जाता है। ऐसा कर दिखाया है बेलहर के कोटिया बड़ी निवासी डॉ. पूजा त्रिपाठी ने। डा. पूजा त्रिपाठी का चयन पंडित दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में समाज शास्त्र विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर हुआ है। बड़े भाई मेजर शिवेंद्र मणि त्रिपाठी ने बताया कि डॉ. पूजा त्रिपाठी की प्रारंभिक शिक्षा अपने गांव के सरस्वती शिशु मंदिर में प्राप्त हुई। हाईस्कूल की परीक्षा झिन्नूलाल इंटर कालेज कलवारी बस्ती व इंटरमीडिएट की परीक्षा 2006 में राजकीय बालिका इंटर कालेज बस्ती किया। स्नातक और परास्नातक की शिव हर्ष उपाध्याय किसान बालिका महाविद्यालय बस्ती से प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण किया। उन्होंने बताया की डा. पूजा त्रिपाठी ने 2012 में नेट/ जेआरएफ की परीक्षा उतरन करने के उपरांत बनारस हिंदू विश्वविद्यालय से वर्ष 2021 में पीएचडी की उपाधि हासिल कर ली। इसके पूर्व डा. पूजा त्रिपाठी गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय ग्रेटर नोएडा में अनुबंध के तहत अध्यापन का कार्य कर रही थीं। डा.पूजा त्रिपाठी ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता के साथ साथ अपने पति पाटेश्वरी त्रिपाठी सॉफ्टवेयर इंजीनियर व ससुर अनिल कुमार त्रिपाठी वन विभाग के सेवानिवृत्त अधिकारी को दिया है। बता चलें दें कि पंडित दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में समाज शास्त्र के असिस्टेंट प्रोफेसर का एक ही पद रिक्त था जिस पर डॉ. पूजा त्रिपाठी का चयन हुआ है।

UPTET-2026 परीक्षा को सकुशल व पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए डीएम व एसपी ने परीक्षा केंद्रों का किया औचक निरीक्षण

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। बृहस्पतिवार को जिलाधिकारी आलोक कुमार तथा पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना ने संयुक्त रूप से UPTET-2026 परीक्षा को निष्पक्ष, पारदर्शी, सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के दृष्टिगत जनपद के विभिन्न परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए । निरीक्षण के दौरान समस्त परीक्षा केन्द्रों पर पहुँचकर वहाँ की सुरक्षा व्यवस्था, व्यवस्थापन एवं परीक्षा संचालन की व्यवस्थाओं का जायजा लिया । इस दौरान ड्यूटी में तैनात अधि0/कर्मचारीगण को परीक्षा की शुचिता बनाए रखने, अभ्यर्थियों के लिए सुगम एवं व्यवस्थित प्रवेश व्यवस्था सुनिश्चित करने, संदिग्ध व्यक्तियों पर सतर्क दृष्टि बनाए रखने तथा परीक्षा केंद्रों के आसपास अनावश्यक भीड़ न होने देने के सम्बन्ध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की गड़बड़ी को रोकने के लिए सघन निगरानी की व्यवस्था की गयी है । इसके अतिरिक्त सीसीटीवी कंट्रोल रूम, जनपदीय कंट्रोल रूम तथा डायल-112 को भी पूरी तरह अलर्ट रहने के निर्देश दिए गए हैं । पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट रूप से निर्देशित किया है कि परीक्षा ड्यूटी में किसी भी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं होगी ।जनपद पुलिस द्वारा अभ्यर्थियों से अपील की गयी है कि वे समय से अपने परीक्षा केंद्र पर पहुँचे तथा परीक्षा को शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराने में प्रशासन का सहयोग करें ।

महिला थाना प्रभारी निरीक्षक अरुणा रॉय ने सुनी पीड़ित परिवारों की शिकायतें

हरेन्द्र शर्मा

हापुड़(वेलकम इंडिया)। हापुड़ जनपद के महिलाजनसुनवाई के दौरान महिला थाना प्रभारी निरीक्षक अरुणा रॉय ने सुनी पीड़ित परिवारों की शिकायतें।हापुड़ की महिला थाना प्रभारी यूं तो किसी पहचान की मोहताज नहीं है सैकड़ो घरों को टुटने से जोड़कर सराहनीय कार्य कर चुकी हैं मुख्यमंत्री के मिशन शक्ति अभियान को प्रमुखता से नई उड़ान दे रही है। तो वही महिला थाना प्रभारी जनसुनवाई के माध्यम से लोगों को समझाने का लगातार प्रयास कर रही हैं साथ ही लोगों के घरों को टूटने से बचाने में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभा रही है साथ ही उनकी पूरी टीम मुख्यमंत्री द्वारा चलाई गई मिशन शक्ति अभियान को मजबूती देने में अहम भूमिका निभा रही है। महिला थाना प्रभारी ने जनसुनवाई के दौरान कई परिवारों को समझने का किया प्रयास।

जलभराव से नाराज ग्रामीणों ने सड़क पर रोपी धान, अनोखे प्रदर्शन से जताया विरोध

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। विकासखंड क्षेत्र के गांव गढ़ी मियां में सड़क पर जलभराव की समस्या से परेशान ग्रामीणों का गुरुवार को गुस्सा फूट पड़ा। सड़क निर्माण और जलनिकासी की व्यवस्था नहीं होने से नाराज ग्रामीणों ने पानी से लबालब सड़क पर धान की रोपाई कर अनोखे अंदाज में विरोध प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द समस्या के समाधान की मांग की है।ग्रामीण आजम ने बताया कि सड़क निर्माण और जलभराव की समस्या को लेकर ग्राम प्रधान से लेकर उच्च अधिकारियों तक कई बार शिकायत की जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। एक दिन पूर्व हुई बारिश के बाद सड़क पर फिर से पानी भर गया, जिससे लोगों का आवागमन बाधित हो गया और रोजमर्रा के कार्यों में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। समस्या से त्रस्त ग्रामीणों ने गुरुवार को जलभराव वाली सड़क पर धान की रोपाई कर अपना विरोध दर्ज कराया। उनका कहना था कि जब सड़क खेत जैसी बन गई है तो मजबूरन उसी में धान लगाकर प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया जा रहा है।ग्राम प्रधान पति राशिद जंग ने बताया कि कुछ दिन पहले जलभराव वाले स्थान पर मिट्टी डलवाई गई थी, लेकिन कुछ लोगों द्वारा पानी की निकासी का रास्ता अवरुद्ध किए जाने के कारण समस्या बनी हुई है। इसकी शिकायत उप जिलाधिकारी से की जा चुकी है। उन्होंने बताया कि सड़क निर्माण का प्रस्ताव भी संबंधित विभाग को भेजा गया है।

न्यायालय के आदेश पर पांच लोगों के खिलाफ मारपीट व जानलेवा हमले का मुकदमा दर्ज

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने गांव गढ़ी दौलत निवासी पांच लोगों के खिलाफ मारपीट, जानलेवा हमला और धमकी देने के आरोप में मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। थाना क्षेत्र के गांव गढ़ीदौलत निवासी नौशाद पुत्र हारून ने न्यायालय में दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि दो मार्च 2026 की रात करीब आठ बजे उवेश पुत्र नासिर उसके भाई समद को घर से बुलाकर गांव में स्थित डॉक्टर हारून की दुकान के पास ले गया। आरोप है कि वहां पहले से नासिर पुत्र फकरुद्दीन, नौशाद पुत्र अय्यूब, शोएब और फरमान मौजूद थे। सभी के हाथों में सरिया, लोहे की रॉड और ईंटें थीं।आरोप है कि पांचों ने समद पर जान से मारने की नीयत से हमला कर दिया, जिससे उसके सिर, चेहरे, हाथ और पैरों में गंभीर चोटें आईं। शोर सुनकर मौके पर पहुंचे मुंशाद और शहजाद ने किसी तरह बीच–बचाव कर समद की जान बचाई। आरोप है कि हमलावर जाते समय जान से मारने की धमकी भी देकर फरार हो गए।घायल समद को पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कांधला ले जाया गया, जहां से हालत गंभीर होने पर जिला चिकित्सालय शामली रेफर कर दिया गया। बाद में उसे शामली के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां वह छह दिनों तक उपचाराधीन रहा।पीड़ित का आरोप है कि घटना के दिन थाना कांधला और बाद में पुलिस अधीक्षक शामली को भी शिकायत दी गई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

1.80 करोड़ की कथित धोखाधड़ी के आरोपी पर फायरिंग का आरोप, मुकदमा दर्ज

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। पुलिस ने करोड़ों रुपये की कथित धोखाधड़ी और जानलेवा हमले के आरोप में एक व्यक्ति सहित अन्य अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मेरठ के थाना कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला नौगजा शाहपीर गेट निवासी विशाल पुत्र सिराजुद्दीन ने बताया कि वह वीएस इंटरनेशनल और एनएचके ट्रेडर्स नामक फर्म का स्वामी है। उसकी फर्म में मेरठ निवासी शादाब उर्फ भोला पिछले करीब दस वर्षों से मैनेजर के पद पर कार्यरत था।आरोप है कि 24 अप्रैल 2026 और 2 मई 2026 को फर्म के दो कंटेनरों में लदा करीब 57 टन माल, जिसकी कीमत लगभग 1.80 करोड़ रुपये बताई गई है, शादाब ने कथित रूप से फर्जी दस्तावेज तैयार कर बिना जानकारी के दिल्ली की एक फर्म को बेच दिया। 18 मई को मामले की जानकारी होने पर जब उसने आरोपी से रुपये मांगे तो वह टालमटोल करने लगा। पुलिस में शिकायत करने की बात कहने पर आरोपी ने जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित व्यक्ति ने आरोप लगाया गया है कि विगत 29 जून 2026 को कैराना से दिल्ली लौटते समय एलम के पास हाईवे पर आरोपी अपने दो–तीन साथियों के साथ कार से पहुंचा।

सुकरौली में सजी सामाजिक एकता की मिसाल, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि मुमताज अहमद की दावत में उमड़ा जनसैलाब

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। सेमरियावां विकासखंड के पैतृक गांव सुकरौली में मंगलवार को उस समय उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला, जब ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि मुमताज अहमद और ग्राम प्रधान गोविंद कुमार की ओर से उनके आवास पर एक भव्य दावत एवं मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस आयोजन में क्षेत्र के ग्राम प्रधानों, बीडीसी सदस्यों, सामाजिक कार्यकताओं और स्थानीय नागरिकों सहित करीब हजारों लोग शामिल हुए। पूरे कार्यक्रम के दौरान लोगों में उत्साह और अपनापन साफ दिखाई दिया।

सुबह से ही लोगों का आना शुरू हो गया था। बड़ी संख्या में पहुंचे ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। आयोजन स्थल पर लोगों के बैठने, भोजन और अन्य व्यवस्थाओं का विशेष ध्यान रखा गया था। कार्यक्रम के दौरान लोगों ने एक-दूसरे से मुलाकात कर क्षेत्र के विकास, सामाजिक सहयोग और जनहित से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर भी चर्चा की। दावत केवल एक सामाजिक आयोजन तक सीमित नहीं रही, बल्कि यह आपसी भाईचारे, सामाजिक समरसता और जनप्रतिनिधियों व आम जनता के बीच संवाद का भी महत्वपूर्ण मंच बनी। क्षेत्र के विभिन्न गांवों से आए लोगों ने आयोजकों की मेहमाननवाजी की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज को जोड़ने और आपसी रिश्तों को मजबूत करने का कार्य करते हैं। इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि मुमताज अहमद ने कहा, 'हमारा उद्देश्य केवल दावत देना नहीं, बल्कि समाज के सभी वर्गों को एक मंच पर लाकर आपसी भाईचारा और सौहार्द को मजबूत करना है। जनप्रतिनिधि तभी सफल होता है, जब वह जनता के सुख-दुख में बराबर का सहभागी बने। क्षेत्र की जनता का जो स्नेह और विश्वास हमें मिला है, वही हमारी सबसे बड़ी ताकत है। आने वाले समय में भी विकास और जनसेवा के कार्य पूरी निष्ठा के साथ जारी रहेंगे।' वहीं ग्राम प्रधान गोविंद कुमार ने कहा, 'हम सभी गांववासियों और क्षेत्र के सम्मानित जनप्रतिनिधियों का दिल से आभार व्यक्त करते हैं कि उन्होंने अपना बहुमूल्य समय निकालकर इस आयोजन की गरिमा बढ़ाई। हमारा प्रयास रहेगा कि सामाजिक एकता और भाईचारे को भी लगातार मजबूत किया जाए। ऐसे कार्यक्रम लोगों के बीच दूरी कम करते हैं और समाज को एक नई सकारात्मक दिशा देते हैं।' इस दौरान अधिक संख्या में लोग मौजूद रहे।

एआरसी हॉस्पिटल एंड ट्रामा सेंटर मूड़ाडिहा बेग सेमरियावा में स्वास्थ्य शिविर आज

मुहम्मद परवेज अख्तर

संतकबीरनगर(वेलकम इंडिया)। विकास खण्ड सेमरियावा के एआरसी हॉस्पिटल एंड ट्रामा सेंटर मूड़ाडिहा बेग सेमरियावा में शुक्रवार को दो बजे से लीवर सम्बन्धी जांच के लिए नि: शुल्क कैंप का आयोजन किया गया है। डायरेक्टर डॉ. मोहम्मद अजमल ने बताया कि लखनऊ केजीएमयू के अनुभवी चिकित्सकों के मार्गदर्शन में लखनऊ की तर्ज पर फाइब्रो स्कैन(लीवर की जांच), हेपेटाइटिस बी व सी की नि :शुल्क जांच की जायेगी। उन्होंने बताया कि जांच पूरी तरह मुफ्त है। हमारा प्रयास है कि जिस जांच व इलाज के लिए लोग लखनऊ या दिल्ली जाते हैं वह सारी सुविधाएं स्थानीय स्तर पर एक छत के नीचे लोगों को मिलें।

मेरठ बनेगा साइबर सुरक्षा का नया हब: सी-डैक के सहयोग से एमआईईटी में खुला सेंटर ऑफ एक्सीलेंस

एआई आधारित साइबर हमलों से निपटने के लिए तैयार होंगे विशेषज्ञ, अनुसंधान और प्रशिक्षण को मिलेगी नई दिशा

उज्ज्वल रस्तौगी

मेरठ(वेलकम इंडिया)। भारत की डिजिटल सुरक्षा को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए मेरठ इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (एमआईईटी) में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस्ड कंप्यूटिंग (सी-डैक), नई दिल्ली के सहयोग से स्थापित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन साइबर सिक्योरिटी का भव्य शुभारंभ किया गया। यह अत्याधुनिक केंद्र साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में उच्च स्तरीय अनुसंधान, विशेषज्ञ प्रशिक्षण, उद्योग-अकादमिक सहयोग तथा उभरते साइबर खतरों के प्रभावी समाधान विकसित करने का प्रमुख केंद्र बनेगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सी-डैक, नई दिल्ली के सेंटर हेड एवं वैज्ञानिक-जी जितेंद्र सिंह रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता एमआईईटी के चेयरमैन विष्णु शरण ने की। इस अवसर पर सी-डैक के वरिष्ठ वैज्ञानिकों, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों, उद्योग जगत के प्रतिनिधियों, शिक्षाविदों एवं शोधकताओं की गरिमामयी उपस्थिति रही।

मुख्य अतिथि जितेंद्र सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि आज साइबर सुरक्षा केवल सूचना प्रौद्योगिकी का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक मजबूती और डिजिटल विश्वास की आधारशिला बन चुकी है। उन्होंने कहा कि ऊर्जा, स्वास्थ्य, बैंकिंग, परिवहन और सरकारी सेवाओं जैसी महत्वपूर्ण व्यवस्थाएं डिजिटल प्लेटफॉर्म पर आधारित हैं। ऐसे में सी-डैक और एमआईईटी का यह संयुक्त

प्रयास देश के लिए विश्वस्तरीय साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

एमआईईटी के वाइस चेयरमैन गौरव अग्रवाल ने कहा कि यह सेंटर उद्योग और अकादमिक जगत के बीच की दूरी को कम करने के साथ-साथ महत्वपूर्ण सूचना अवसंरचना की सुरक्षा पर अनुसंधान को नई दिशा देगा। उन्होंने कहा कि रैनसमवेयर, एआई आधारित फि शिंग और राज्य प्रायोजित साइबर हमलों जैसी बढ़ती चुनौतियों को देखते हुए प्रशिक्षित साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों की मांग लगातार बढ़ रही है।

सी-डैक के वैज्ञानिक-ई एवं समूह प्रमुख अपूर्व कोहली ने बताया कि सी-डैक कई अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के साथ मिलकर उन्नत तकनीकों पर शोध कर रहा है और एमआईईटी का यह केंद्र भी भविष्य में वैश्विक स्तर की अनुसंधान परियोजनाओं का हिस्सा बनेगा। वहीं डॉ. ऋचा चौधरी ने एसीटीएस कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित विभिन्न उन्नत साइबर सुरक्षा एवं सूचना प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रमों की जानकारी देते हुए विद्यार्थियों को इनसे जुड़ने के लिए प्रेरित किया।

सी-डैक के वरिष्ठ परियोजना अभियंता अरुण कुमार ने बताया कि सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के माध्यम से नेटवर्क सिक्योरिटी, वेब एप्लीकेशन सिक्योरिटी, इंसिडेंट रिस्पॉन्स, रिस्क मैनेजमेंट, पेनिट्रेशन टेस्टिंग और वल्नरेबिलिटी असेसमेंट जैसे अत्याधुनिक प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए जाएंगे, जिससे विद्यार्थियों को उद्योग की जरूरतों के अनुरूप व्यावहारिक अनुभव प्राप्त होगा। सी डैक के वरिष्ठ सलाहकार अरविंद कुमार ने मोबाइल एप्लीकेशन सुरक्षा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ऐप के कोड, डिजाइन और कम्युनिकेशन प्रोटोकॉल में मौजूद कमजोरियां साइबर अपराधियों के लिए अवसर बन जाती हैं। इन जोखिमों से बचने के लिए सुरक्षित कोडिंग, मजबूत एन्क्रिप्शन और नियमित सुरक्षा परीक्षण अत्यंत आवश्यक हैं।

एमआईईटी के निदेशक प्रो. (डॉ.) एस.के. सिंह ने बताया कि संस्थान अगले तीन से चार वर्षों में इस सेंटर को साइबर सुरक्षा अनुसंधान और तकनीकी नवाचार के वैश्विक केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके तहत विशेष प्रमाणन कार्यक्रम, ट्रेन-द-ट्रेनर पहल तथा संयुक्त शोध परियोजनाएं संचालित की जाएंगी। कार्यक्रम में एसपीओसी (साइबर सिक्योरिटी) प्रो. (डॉ.) बृजेश कुमार गुप्ता ने कहा कि साइबर सुरक्षा आज राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता का अभिन्न आधार है। उन्होंने बताया कि यह सेंटर अत्याधुनिक हार्डवेयर एवं सॉफ्टवेयर से लैस होगा, जहां वल्नरेबिलिटी असेसमेंट, थ्रेट इंटेलिजेंस, साइबर डिफेंस, अनुसंधान और नवाचार को नई गति मिलेगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह केंद्र देश को सक्षम साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ देने के साथ डिजिटल भारत के सपने को साकार करने में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

जेवर ग्रीन फील्ड एक्सप्रेसवे ने पकड़ी रफ्तार, किसानों के सरकारी बैनामे शुरू; 7 दिन में खाते में पहुंचेगा मुआवजा

वेलकम इंडिया संवाददाता

शिकारपुर(बुलंदशहर)। बुलंदशहर में जेवर ग्रीन फील्ड एक्सप्रेसवे परियोजना को लेकर प्रशासन ने रफ्तार बढ़ा दी है। शिकारपुर तहसील प्रशासन ने एक्सप्रेसवे के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया तेज करते हुए सरकारी बैनामे शुरू कर दिए हैं। अब तक शिकारपुर तहसील क्षेत्र के बैलौट याकूबपुर धतूरी घुघराबली बनवारीपुर मुकीमपुर गांवों के करीब 62 किसानों के सरकारी बैनामे कराए जा चुके हैं।

तहसील प्रशासन ने मुकीमपुर गांव के किसानों से शत प्रतिशत बैनामें पूर्ण करा दिये है। एसडीएम शिकारपुर रविंद्र प्रताप सिंह ने बताया है कि सरकार किसानों को समय पर मुआवजा दिलाने के लिए पूरी

गंभीरता से कार्य कर रही है। सरकारी बैनामा पूरा होने के महज सात दिनों के भीतर मुआवजे की राशि सीधे किसानों के बैंक खातों में भेजी जा रही है, जिससे किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

करीब 76 किलोमीटर लंबे जेवर ग्रीन फील्ड एक्सप्रेसवे के निर्माण से बुलंदशहर समेत आसपास के क्षेत्रों में विकास की नई संभावनाएं खुलेंगी। बेहतर सड़क संपर्क से किसानों को अपनी उपज बाजार तक पहुंचाने में सुविधा मिलेगी, वहीं व्यापार, निवेश और रोजगार को भी बढ़ावा मिलेगा। एसडीएम ने एक्सप्रेसवे की जद में आने वाले गांवों के किसानों से अपील की कि वे सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना में सहयोग करें और समय पर सरकारी बैनामे की प्रक्रिया पूरी कराकर परियोजना को गति दें।

प्रशासन का कहना है कि भूमि अधिग्रहण की पूरी प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से की जा रही है, ताकि किसानों के हितों की रक्षा करते हुए एक्सप्रेसवे निर्माण का कार्य समय पर पूरा किया जा सके।

विश्व हिंदू महासंघ की सनातन रक्षा वाहिनी संगठन का विस्तार किया

नितिन शर्मा

विश्व हिंदू महासंघ की सनातन रक्षा वाहिनी की एक बैठक चांदपुर स्थित डाक बंगले पर संपन्न हुई। जिसकी अध्यक्षता प्रदेश मंत्री पीयूष अरोड़ा व संचालन जिला मंत्री पारस राठी ने किया। प्रदेश मंत्री पीयूष अरोड़ा ने संगठन के बारे में बताया और संगठन की मजबूती पर जोर दिया बैठक में नवीन चांदपुर की इकाई का गठन किया गया। जिसमें सनातन रक्षा वाहिनी का नगर अध्यक्ष रोहन चौधरी, नगर उपाध्यक्ष सचिन पाठक, नितिन शर्मा, नगर महामंत्री आशीष आर्य मीडिया प्रभारी तक्ष राजपूत, नगर मंत्री यश चंद्र, राहुल, दीपू गिरी, लवी चंद्र एवं अनिकेत कश्यप को चुना गया एवं आकाश सैनी को तहसील मंत्री का दायित्व दिया गया। बैठक के उपरांत नव नियुक्त सदस्य को भगवा गमछा पहनाकर सम्मानित किया गया। बैठक में तहसील अध्यक्ष गोविंद गिरी एवं तहसील महामंत्री कुलदीप शर्मा मौजूद रहे।

लॉयन्स क्लब हापुड़ गौरव ने डॉक्टर्स डे पर किया सम्मान समारोह, चिकित्सक और सीए सम्मानित

हरेन्द्र शर्मा

हापुड़(वेलकम इंडिया)। हापुड़ जनपद में लॉयन्स क्लब हापुड़ गौरव द्वारा राष्ट्रीय डॉक्टर्स डे के अवसर पर सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज सेवा में उत्कृष्ट योगदान देने वाले चिकित्सकों के साथ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स को भी सम्मानित किया गया। समारोह में डॉ. आशा मिश्रा, डॉ.अनुभव डूडेजा, डॉ.अर्चना गुप्ता एवं डॉ. सीमा सिंह को चिकित्सा क्षेत्र में सराहनीय सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया। वहीं, सीए पंखुरी गोयल एवं सीए वासु त्यागी को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मान प्रदान किया गया। क्लब अध्यक्ष रेखा सिंह कहा कि डॉक्टर और सीए दोनों ही समाज की रीढ़ हैं। एक स्वास्थ्य बचाता है तो दूसरा आर्थिक स्वास्थ्य मजबूत करता है। इस मौके पर क्लब अध्यक्ष रेखा सिंह, सचिव एडवोकेट ज्योति, कोषाध्यक्ष डॉ. आराधना बाजपेई के साथ सिमरन गोयल, पारुल जिंदल, श्रुति शर्मा, शालू ग्रोवर, ममता अरोड़ा, शिल्या त्यागी, नीरू मित्तल, ज्योति साहनी, शालिनी चौधरी, मंजू बंसल, मिली सिंघल, उर्मिला सहित क्लब की अन्य सदस्याएं मौजूद रहीं।

गांव फगोता में समाजवादी पार्टी के कार्यकताओं ने राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के आदेशानुसार वृक्षारोपण किया तेजपाल प्रमुख

हरेन्द्र शर्मा

हापुड़(वेलकम इंडिया)। हापुड़ जनपद में राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव जी के आदेशानुसार 1 जुलाई 2026 से 7 जुलाई 2026 तक पूरे देश एवं उत्तर प्रदेश के सभी जिलों और तहसीलों में वृक्षारोपण का अभियान चलाया जा रहा है। इसी कार्यक्रम के अंतर्गत पूर्व जिलाध्आयक्ष तेजपाल प्रमुख के नेतृत्व में हापुड़ जिले के बुलंदशहर रोड़ स्थित मस्जिद पर एवं ग्राम सलाई एवं ग्राम शाहपुर फगोता में वृक्षारोपण किया गया और 2012 से 2017 तक समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के द्वारा तमाम जन कल्याणकारी योजनाएं जो चलाई गई उन योजनाओं के बारे में जनता को अवगत कराया गया। एवं 2027 में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुख्यमंत्री बनना है और पूरे प्रदेश का विकास करना है आज इस कार्यक्रम में राजेश यादव पूर्व प्रधानाचार्य, विनीत त्यागी, यशी यादव, इकबाल कुरैशी, भाई मुजफ्फर हुसैन, इकराम सूफी आदि कार्यकर्ता लोग उपस्थित रहे।

इंटरनेशनल गुडविल सोसायटी बुलंदशहर शाखा ने मनाया डॉक्टर डे एवं सीए डे

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। इंटरनेशनल गुडविल सोसायटी के बैनर तले डॉक्टर डे एवं सीए डे के तहत अपने-अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले चिकित्सकों तथा चार्टर्ड अकाउंटेंट्स को सम्मानित किया गया। संस्था के अध्यक्ष डॉ सुधीर अग्रवाल ने बताया कि इस वर्ष जनपद में कार्यरत सुपर स्पेशलिस्ट डॉक्टर तथा वरिष्ठ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स को सम्मानित किया गया है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ सुनील कुमार गोयल ने संस्था द्वारा किए जा रहे अभिनव प्रयासों की सराहना की तथा मेडिकल एसोसिएशन की

ओर से धन्यवाद ज्ञापित किया। संस्था के मीडिया प्रभारी डॉ मनमोहन रोहिला ने जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ सुनील कुमार गोयल, वरिष्ठ न्यूरोसर्जन डॉ राजीव अग्रवाल, वरिष्ठ यूरोलॉजिस्ट डॉ प्रभव अग्रवाल, वरिष्ठ बाल रोग विशेषज्ञ डॉ विवेक गर्ग, वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ अभिनव अग्रवाल के अलावा प्रमोद जैन, सत्येंद्र रावत तथा प्रमोद मांगलिक आदि वरिष्ठ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स को भी सम्मानित किया गया। सचिव प्रोफेसर वैभव जैन ने बताया कि इस वर्ष सुपर स्पेशलिस्ट चिकित्सकों को सम्मानित करने का निर्णय लिया गया था ताकि जनसाधारण को भी उनके विशेषता के संबंध में पता चल सके तथा मरीजों को अब विशिष्ट चिकित्सा हेतु दूरदराज क्षेत्रों में जाने की आवश्यकता न रहे। कार्यक्रम के सफल आयोजन में कोषाध्यक्ष प्रफुल्ल चंद्रा, ब्रजेश गर्ग, योगेश गुप्ता, पंकज जैन, दिनेश गोयल, सौरभ गुप्ता, अभय कंसल, दीपेश गुप्ता, विशाल अग्रवाल, संजीव त्यागी, तथा विजय गर्ग आदि का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम संयोजक अजय अग्रवाल ने सभी का आभार व्यक्त किया।

यूनिवर्सल एकेडमी में दंत चिकित्सा शिविर, बच्चों को बताए स्वस्थ दांतों के टिप्स

नितिन शर्मा

बिजनौर(वेलकम इंडिया)। यूनिवर्सल एकेडमी, बिजनौर में गुरुवार को कक्षा 4 एवं 5 के विद्यार्थियों के लिए दंत चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में दंत चिकित्सक डॉ. गीत कुमार (बी.डी.एस.) I T S डेंटल कॉलेज गाजियाबाद, गोपाल हॉस्पिटल बिजनौर ने विद्यार्थियों के दांतों की जांच कर उन्हें मौखिक स्वच्छता एवं दांतों की उचित देखभाल के बारे में जागरूक किया।

डॉ. गीत कुमार ने बच्चों को नियमित रूप से दिन में दो बार ब्रश करने, जंक फूड और अत्यधिक मीठे खाद्य पदार्थों से बचने तथा समय-समय पर दांतों की जांच कराने की सलाह दी। बच्चों ने भी उत्साहपूर्वक शिविर में भाग लिया और दांतों की देखभाल से जुड़े विभिन्न प्रश्न पूछे।

विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. अनुज त्यागी ने कहा कि बच्चों का शारीरिक स्वास्थ्य उनके सर्वांगीण विकास का आधार है तथा ऐसे स्वास्थ्य शिविर विद्यार्थियों में अच्छी आदतों के विकास में सहायक सिद्ध होते हैं।

उप प्रधानाचार्या खुशबू कर्णवाल ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि विद्यालय भविष्य में भी विद्यार्थियों के हित में इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करता रहेगा। शिविर के सफल आयोजन पर विद्यालय परिवार ने डॉ. गीत कुमार का आभार व्यक्त किया।

स्वागत समारोह में बोले जिलाध्यक्ष भाजपा पार्टी में ही कार्यकताओं का सम्मान

संदीप तिवारी

मिजार्मुराद(वेलकम इंडिया)। सेवापुरी विधानसभा के लालपुर चट्टी स्थित मिथलेश्वरी लान में बुधवार की शाम भाजपा के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष रामशकल पटेल के लिए पार्टी कार्यकताओं ने स्वागत समारोह रखा।स्वागत समारोह में सैकड़ो की संख्या में पार्टी के पदाधिकारी, कार्यकर्ता ग्रामीण मौजूद रहे। सभी ने जिलाध्यक्ष का बड़े माला व अंगवस्त्र देकर सम्मान किया।वाराणसी भाजपा जिलाध्यक्ष राम शकल पटेल ने कहां की कार्यकर्ता पार्टी की रीढ़ है और पार्टी कार्यकताओं के बल पर ही मजबूत होती है। जिलाध्यक्ष ने पार्टी कार्यकताओं से बोले कि सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को आम जन तक पहुंचाए और आगामी चुनावों में पार्टी की जीत सुनिश्चित करने का

संकल्प ले। उन्होंने कहां भारतीय जनता पार्टी में ही कार्यकताओं का सम्मान है।

उन्होंने कहां की मुझ जैसे किसान के बेटे को भाजपा पार्टी ने वाराणसी का जिलाध्यक्ष बनाकर ये साबित कर दिया कि भाजपा परिवार वाद या पैसे वालो की पार्टी नही है हर एक कार्यकर्ता भाजपा के लिए सर्वप्रिय है। इस दौरान भाजपा के पूर्व जिलाउपाध्यक्ष संजीव सिंह गौतम, किसान मोर्चा के जिलामंत्री प्रेम शंकर पाठक, राजातालाब मंडल अध्यक्ष सुजीत पाल, बाबू लाल पटेल, उमाशंकर पटेल, चंद्रशेखर पटेल, राजेश पटेल, अभिषेक त्रिपाठी 'सुमित', काशीनाथ राजभर, राजेश बिन्द, गोलू यादव, राकेश यादव, राकेश पटेल, लाल बहादुर पटेल, गुड्डू सिंह, करन बिन्द, गोपाल सिंह, मिथिलेश सिंह, स्वतंत्र पटेल, डॉ. नन्हे सिंह समेत अन्य कार्यकर्ता रहे।

वन महोत्सव पर चिरंजीवी नाथ मंदिर परिसर में हुआ पौधरोपण

वेलकम इंडिया ब्यूरो

लखनऊ। माल क्षेत्र के नारायणपुर स्थित चिरंजीवी नाथ मंदिर परिसर में बुधवार को वन महोत्सव के अवसर पर पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष, जिला सहकारी बैंक संघ वीरेंद्र प्रताप सिंह ने ग्राम प्रधान धन्नो, वन विभाग के अधिकारियों एवं ग्रामीणों के साथ पीपल एवं आम के पौधे रोपकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम में उप क्षेत्रीय वनाधिकारी अमित कुमार सिंह ने कहा कि पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाना और उनकी देखभाल करना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। उन्होंने लोगों से हर वर्ष कम से कम एक पौधा लगाकर उसे वृक्ष बनने तक संरक्षित रखने का आह्वान किया। इस अवसर पर वन दरोगा अनीस चंद्र, मोहम्मद ताहिर, वन रक्षक जयराम यादव सहित वन विभाग के अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों को आम के पौधे भी वितरित किए गए, ताकि वे अपने घरों एवं खेतों में पौधरोपण कर हरित वातावरण बनाने में योगदान दे सकें। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया और पर्यावरण संरक्षण की शपथ लेते हुए पौधरोपण अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया।

75 हजार का इनामी वारंटी दिल्ली से गिरफ्तार, तीन दशक से फरार चल रहे आरोपी पर 66 मुकदमे दर्ज

जाकिर तुर्क

मेरठ(वेलकम इंडिया)। लंबे समय से पुलिस की गिरफ्त से बाहर चल रहे 75 हजार रुपये के इनामी वारंटी को मेरठ पुलिस ने दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया। थाना रेलवे रोड पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को दिल्ली के जहांगीरपुरी मेट्रो पार्क क्षेत्र से दबोचा।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान 71 वर्षीय मोहम्मद तसलीम पुत्र मोहम्मद हफीज के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के दो अलग-अलग मामलों में इनाम घोषित था। थाना सदर बाजार में दर्ज मुकदमे में उस पर 50 हजार रुपये तथा थाना लोहियानगर में दर्ज मुकदमे में 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था।

पुलिस का कहना है कि मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर टीम ने

दिल्ली में दबिश देकर आरोपी को गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद उसे मेरठ लाकर न्यायालय में पेश करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

पुलिस अभिलेखों के मुताबिक मोहम्मद तसलीम का आपराधिक इतिहास करीब तीन दशक पुराना है। उसके विरुद्ध हत्या के प्रयास, गैंगस्टर एक्ट, एनडीपीएस एक्ट, आर्म्स एक्ट, गुंडा एक्ट, रंगदारी समेत विभिन्न गंभीर धाराओं में कुल 66 मुकदमे दर्ज हैं। इस कार्रवाई को थाना रेलवे रोड प्रभारी निरीक्षक विजय कुमार के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने अंजाम दिया।

ट्रिपल तलाक पर कानूनी जागरूकता कार्यशाला में 100 से अधिक महिलाओं ने लिया भाग

'जागरूक महिला.इन' पोर्टल का परिचय, कानूनी अधिकारों व सरकारी योजनाओं की दी जानकारी

वेलकम इंडिया संवाददाता

साहिबाबाद। ट्रिपल तलाक पर सर्वोच्च न्यायालय के ऐतिहासिक फैसले के बाद महिलाओं को उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक बनाने के उद्देश्य से कानूनी जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में 100 से अधिक मुस्लिम महिलाओं ने भाग लिया, जिनमें इंस्टेंट ट्रिपल तलाक से प्रभावित कई महिलाएं भी शामिल रहीं। इस दौरान महिलाओं के लिए तैयार किए गए डिजिटल प्लेटफॉर्म जागरूकमहिला.इन का परिचय कराया गया, जहां उन्हें कानूनी अधिकारों, विभिन्न कानूनों, कानूनी उपायों और सहायता सेवाओं की सरल एवं विश्वसनीय जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी।

कार्यशाला का आयोजन इंद्रप्रस्थ इंजीनियरिंग कॉलेज (आईपीईसी), गाजियाबाद द्वारा सेंटर फॉर ह्यूमन राइट्स एंड सोशल वेलफेयर के सहयोग से भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) द्वारा वित्तपोषित शोध परियोजना के अंतर्गत किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ परियोजना की प्रधान अन्वेषक डॉ. महजबीन बानो सहित जिला अल्पसंख्यक कार्यालय के प्रतिनिधि डॉ. गफ्फार अली खान, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रतिनिधि सत्यम, राष्ट्रीय मुस्लिम महिला कल्याण समिति की राजस्थान

संयोजक निशात हुसैन, लेडी काजी जहांआरा, मौलाना मोहम्मद सलीम, अधिवक्ता रूबी खान, राजस्थान वक्फ बोर्ड के प्रतिनिधियों एवं सामाजिक कार्यकर्ता सरोज खान की उपस्थिति में हुआ। डॉ. महजबीन बानो ने कहा कि महिलाओं को न्याय तभी मिल सकता है जब वे अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हों।

राष्ट्रीय मुस्लिम महिला कल्याण समिति की राजस्थान संयोजक निशात हुसैन ने ट्रिपल तलाक के खिलाफ चले आंदोलन के अनुभव साझा करते हुए कहा कि यह फैसला महिलाओं के सम्मान और समानता की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। अधिवक्ता रूबी खान ने महिलाओं को भारतीय कानूनों के तहत प्राप्त अधिकारों, कानूनी संरक्षण तथा पारिवारिक एवं सामाजिक मामलों में पुलिस एवं संबंधित विभागों से सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया की जानकारी दी।

वहीं जिला अल्पसंख्यक कार्यालय एवं राजस्थान वक्फ बोर्ड के प्रतिनिधियों ने छात्रवृत्ति, कौशल विकास, स्वरोजगार, उद्यमिता और अन्य सरकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए आवेदन प्रक्रिया और पात्रता संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। परियोजना से जुड़े फील्ड अन्वेषकों ने समुदाय स्तर पर किए गए जागरूकता अभियानों के अनुभव साझा करते हुए कहा कि महिलाओं तक कानूनी जानकारी पहुंचाने के लिए ऐसे कार्यक्रम लगातार आयोजित किए जाने चाहिए। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों ने 'जागरूक महिला.इन' पोर्टल की सराहना करते हुए इसे महिलाओं के लिए उपयोगी पहल बताया। आयोजकों ने विश्वास व्यक्त किया कि यह प्रयास महिलाओं में कानूनी जागरूकता बढ़ाने, लैंगिक न्याय को मजबूत करने तथा उन्हें अपने अधिकारों के प्रति अधिक जागरूक, आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

मातृभूमि सेवा संघ ने जिलाधिकारी को गुमनाम क्रांतिकारी पुस्तक भेंट की

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। मातृभूमि सेवा संघ के प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी गाजियाबाद रविंद्र कुमार मांदड़ एवं मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ से शिष्टाचार भेंट कर गुमनाम क्रांतिकारी पुस्तक भेंट की। जिलाधिकारी ने राष्ट्रहित एवं शहीदों के सम्मान में संघ द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की तथा 'गुमनाम क्रांतिकारी' पुस्तक को आवश्यक कार्यवाही हेतु बेसिक शिक्षा विभाग में भेजने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। इस अवसर पर संघ के सदस्यों ने ग्राम अतरौली के अमर शहीदों के सम्मान में पूर्व निर्मित मुख्य द्वार को 'शहीद स्मृति द्वार' घोषित करने तथा ग्राम में शहीद स्मारक के निर्माण हेतु प्रार्थना-पत्र सौंपा। जिलाधिकारी ने प्रार्थना-पत्र पर तत्काल संस्तुति करते हुए उसे संबंधित अधिकारी को प्रेषित करने के निर्देश दिए तथा कहा कि 'शहीदों का सम्मान अवश्य होगा। मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ ने अतरौली के शहीदों के सम्मान से संबंधित ज्ञापन पर गंभीरता से कार्य करने तथा अतरौली के मुख्य द्वार को शहीदों के सम्मान में घोषित किए जाने की दिशा में शीघ्र सकारात्मक पहल का आश्वासन दिया। इस अवसर पर विकास भारतीय, आशुतोष सक्सेना, भव्य सिसोदिया, पवन चौधरी, प्रदीप पांडे मौजूद रहे।

केक काटकर मनाया अखिलेश यादव का जन्मदिन, संगठन मजबूत करने का लिया संकल्प

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। विधानसभा क्षेत्र स्थित ग्राम पट्टी में सपा जिला उपाध्यक्ष परविंदर चौधरी के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया। आयोजित कार्यक्रम के दौरान पार्टी कार्यकताओं ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की तस्वीर के सामने केक काटकर उनके जन्मदिन को मनाया।

इस अवसर पर एक दूसरे को केक खिला कर पार्टी कार्यकताओं ने खुशियां मनाते हुए अखिलेश यादव के उत्तम स्वास्थ्य, दीघार्यु एवं उज्ज्वल राजनीतिक जीवन की कामना की। इस शुभ अवसर पर मौजूद रहे मुख्य लोगों में ओमवीर प्रधान, दुष्यंत कुमार, मोनू सिंह, राहुल, सुभाष, कृष्णपाल सिंह, संजीव कुमार, दिग्विजय कश्यप, सालीम तोमर, महावीर गुर्जर, विजेंद्र सिंह, फिरोज चौहान, राशिद अली, वाहिद कुरेशी, उत्तम त्यागी बबलू सीकरी, फारूक अली, आदि अनेकों पार्टी कार्यकर्ता एवं ग्रामीण मौके पर मौजूद रहे।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव रमेश प्रजापति ने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने में अभी से जुट जाए, ताकि वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में अखिलेश यादव के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाई जा सके। कार्यक्रम मैं मौजूद रहने वालों में राष्ट्रीय सचिव रमेश प्रजापति, प्रदेश महासचिव (पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ) गिरीश मथुरिया सैन, प्रदेश सचिव सुरेंद्र त्यागी, जिला उपाध्यक्ष परविंदर चौधरी पट्टी, बॉबी सैन, मनीष बंसल, कमलेश चौधरी, बल्लू सिकरी, प्रिंस, तरुण जाटव, सुनील द्विवेदी, गुलशन नंदा सैन, विजय सैन, नीटू सैन, मनीष वशिष्ठ, सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी, एवं कार्यकताओं सहित गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

रालोद के नवनियुक्त संसदीय बोर्ड अध्यक्ष के.सी.त्यागी से रणवीर दहिया की शिष्टाचार भेंट

वेलकम इंडिया संवाददाता

मेरठ। राष्ट्रीय लोकदल के नव नियुक्त संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष के.सी.त्यागी से पूर्व प्रदेश महासचिव रणवीर दहिया ने शिष्टाचार भेंट कर उन्हें नई जिम्मेदारी मिलने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।हाल ही में राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री माननीय चौधरी जयंत सिंह द्वारा के. सी. त्यागी को संसदीय बोर्ड का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इस महत्वपूर्ण निर्णय के लिए रणवीर दहिया ने चौधरी जयंत सिंह का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके दूरदर्शी नेतृत्व में संगठन निरंतर मजबूत हो रहा है तथा अनुभवी नेतृत्व को उचित जिम्मेदारियाँ देकर पार्टी को नई दिशा और ऊर्जा प्रदान की जा रही है। शिष्टाचार भेंट के दौरान संगठन की मजबूती, आगामी राजनीतिक रणनीति, किसान, नौजवान तथा जनहित से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। इस अवसर पर रणवीर दहिया ने कहा कि के. सी. त्यागी का व्यापक

राजनीतिक अनुभव, संगठनात्मक दक्षता एवं दूरदर्शी नेतृत्व राष्ट्रीय लोकदल को नई ऊर्जा प्रदान करेगा तथा कार्यकताओं का प्रभावी मार्गदर्शन करेगा। रणवीर दहिया ने के. सी. त्यागी के उत्तम स्वास्थ्य, दीघार्यु एवं सफल कार्यकाल की मंगलकामना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में राष्ट्रीय लोकदल संगठनात्मक रूप से और अधिक सशक्त होगा तथा जनसेवा के संकल्प को नई दिशा एवं गति मिलेगी। साथ ही उन्होंने राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी जयंत सिंह के नेतृत्व में संगठन को जन-जन तक पहुंचाने और पार्टी की नीतियों को मजबूती से आगे बढ़ाने का संकल्प भी दोहराया।

संयुक्त व्यापार संघ ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सको को किया सम्मानित

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। संयुक्त व्यापार संघ मोदीनगर का एक प्रतिनिधि मंडल भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता अमितेश जैन के नेतृत्व में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोदीनगर पहुंचा तथा चिकित्सक दिवस के उपलक्ष में चिकित्सा अधीक्षक डॉ.दिनेश कुमार तथा डॉ.करण कसाना को श्री राम का पटका पहना कर, सम्मानित किया।

इस मौके पर प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि डॉ.दिनेश कुमार श्री राम तो डॉ.करण कसाना हनुमान जी की जोड़ी की तरह कार्य करते हैं जब से इस टीम ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोदीनगर पर कार्य संभाला है, समुदाय स्वास्थ्य केंद्र मोदीनगर अस्पताल की तरह लगने लगा है और यहां आने वाले मरीजों को सुविधाएं भी काफी अच्छी मिलने लगी है।

उन्होंने अस्पताल में चिकित्सा अधीक्षक डॉ.दिनेश कुमार द्वारा अपनी टीम के साथ और मुख्य रूप से डॉ.करण कसाना के साथ कार्य करने को और मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ.सचिन वैश्य का मार्गदर्शन इसका मुख्य प्रेरणा स्त्रोत बताया।

उन्होंने बताया कि सीएमओ का मार्गदर्शन तथा उनके द्वारा प्रोत्साहन किए जाने के कारण की यह सब संभव हुआ है ,इस मौके पर डॉ.दिनेश कुमार चिकित्सा अधीक्षक ने संयुक्त व्यापार संघ मोदीनगर की टीम के साथ-साथ अमितेश जैन का भी आभार व्यक्त किया और आश्वासन दिलाया कि भविष्य में भी यदि आप सब लोगों का साथ तथा सीएमओ का मार्गदर्शन मिलता रहा तो और अच्छा कार्य करने का प्रयास किया जाएगा।

जिस पर सभा में उपस्थित मरीजों व तीमारदारों ने तालियां बजाकर अभिवादन कियो इस मौके पर डॉ.राजीव त्यागी, डॉ.राजेश तेवतिया, डॉ.रितु कुमार, डॉ.ज्योति, डॉ.भावना, डॉ विक्रांत सुप्रीम कोर्ट के वकील श्री संजीव कौशिक एवं अस्पताल का अन्य स्टाफ उपस्थित रहा।

नीता महेश्वरी स्मार्ट क्लब की प्रेसिडेंट चुनी गई, डॉक्टरों को किया सम्मानित

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। डॉक्टर दिवस पर स्मार्ट क्लब मोदीनगर की एक बैठक में नीता महेश्वरी को कॉलर पहना कर क्लब प्रेसिडेंट चुना गया। नई टीम का भी चयन किया गया। इसके बाद दो प्रोजेक्ट किए ।

इस मौके पर छह डॉक्टरों डॉ साहिल गर्ग, डॉ श्रुति माहेश्वरी, डॉ. पुरु त्यागी, डॉ नेहा त्यागी, डॉ. संतोष कुमार डॉ. तृप्ति बंसल को सर्टिफिकेट के साथ आम की टोकरी देकर सम्मानित किया। दूसरा प्रोजेक्ट एक मरीज की डायलिसिस की फीस देकर किया।

कुछ थोड़ी सी मदद किसी की जीवन रक्षक हो सकती हैं ' प्रोजेक्ट में चार्टर प्रेसिडेंट रेणु मित्तल, सेक्रेट्री रेणु गुप्ता सम्मानित मेंबर रुचि त्यागी, अनुपम महेश्वरी ने अपना सराहनीय योगदान किया।

शहीदों का सम्मान सर्वोपरि, शहीद दीपक शर्मा स्मारक का होगा जीर्णोद्धार: डॉ. मंजू शिवाच

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले अमर शहीदों का सम्मान हमारे लिए सर्वोपरि है। उनके परिवारों का ध्यान रखना और उन्हें संबल देना हम सभी का नैतिक दायित्व है। यह विचार मोदीनगर विधायक डॉ. मंजू शिवाच ने शहीद दीपक शर्मा के 27वें बलिदान दिवस के अवसर पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में व्यक्त किए।

ग्राम खंजरपुर स्थित शहीद दीपक शर्मा स्मारक स्थल पर आयोजित इस गरिमामयी सभा में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए डॉ. मंजू शिवाच ने घोषणा की कि शहीद दीपक शर्मा स्मारक का जल्द ही पूर्ण जीर्णोद्धार (नवीनीकरण) कराया जाएगा, ताकि आने वाली पीढ़ियां उनके सर्वोच्च

बलिदान से प्रेरणा ले सकें। इस अवसर पर पूर्व सैनिकों का एक जत्था मनोज कुमार के नेतृत्व में स्मारक स्थल पर पहुंचा और शहीद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर व भावभीनी विदाई दी। इसके साथ ही, 'मातृभूमि संगठन' के दर्जनों सदस्यों ने भी कार्यक्रम में शिरकत कर शहीद दीपक शर्मा को अपनी भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम के दौरान देश प्रेम का माहौल देखते ही बनता था। इस अवसर पर ग्राम प्रधान सुबोध सांगवान, विधायक प्रतिनिधि डॉ. कर्णवीर सिंह, प्रदीप शर्मा, अंगूरी देवी, सीमा शर्मा, श्याम सुंदर शर्मा, बुध प्रकाश, महेश चंद्र, राम गोपाल शर्मा, कौशल शर्मा, नीरज कुमार, कृषिपाल सहित भारी संख्या में ग्रामीण, गणमान्य नागरिक और मातृशक्ति उपस्थित रहीं। सभी ने शहीद के चित्र व स्मारक पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ विशाल यज्ञ हवन द्वारा किया गया एवं समापन विशाल भंडारे के साथ हुआ जिसमें सैकड़ों लोग शामिल हुए।

घर में चोरी का खुलासा: लोनी पुलिस ने दो शातिर चोर दबोचे, सोना-चांदी और चोरी की स्कूटी बरामद

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। थाना लोनी पुलिस ने घर में हुई चोरी की वारदात का सफल खुलासा करते हुए दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से चोरी का सोना-चांदी तथा चोरी की एक स्कूटी बरामद हुई है। पुलिस के अनुसार 28 मई 2026 को एक व्यक्ति ने थाना लोनी में शिकायत दर्ज कराई थी कि अज्ञात चोर उसके घर से सोने-चांदी के आभूषण और नकदी चोरी कर ले गए हैं। मामले में मुकदमा दर्ज कर पुलिस टीम का गठन किया गया। जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज, सर्विलांस और मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस ने बुधवार को दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मोनू सिंह निवासी भोपुरा और शाहिल उर्फ चूसा निवासी ट्रोनिका सिटी क्षेत्र के रूप में हुई है। पुलिस ने उनके कब्जे से एक सफेद धातु का बिस्किट, एक पीली धातु का ठोस टुकड़ा तथा चोरी की स्कूटी बरामद की है। बरामदगी के आधार पर मुकदमे में संबंधित धाराएं बढ़ाई गई हैं। वहीं चोरी की स्कूटी की बरामदगी के संबंध में अलग मुकदमा भी दर्ज किया गया है। पुलिस आरोपियों के आपराधिक इतिहास की जांच करते हुए आगे की विधिक कार्रवाई में जुटी है।

'Grow Safe Food' अभियान: वैज्ञानिकों ने किसानों को सिखाए सुरक्षित खेती और फसल संरक्षण के आधुनिक तरीके

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य उत्पादन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कृषि विज्ञान केंद्र, मुरादनगर में 'ऌद्धदृ2 द्मड्डड्ढ ढ़दृदृड' अभियान के तहत किसान जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में वैज्ञानिकों और कृषि विशेषज्ञों ने किसानों को समेकित कीट प्रबंधन (आईपीएम), संतुलित कीटनाशक उपयोग तथा पर्यावरण-अनुकूल खेती के आधुनिक तरीकों की जानकारी दी।

कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. प्रमोद और विषय विशेषज्ञ डॉ. आकांक्षा ने किसानों को आर्थिक

क्षति स्तर (ईटीएल), फेरोमोन ट्रैप, येलो स्टिकी ट्रैप, लाइट ट्रैप और जैविक फसल सुरक्षा उपायों के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने रासायनिक कीटनाशकों पर निर्भरता कम कर वैज्ञानिक एवं टिकाऊ कृषि पद्धतियां अपनाने का आह्वान किया। जिला कृषि रक्षा अधिकारी अमित कुमार ने किसानों से केवल अधिकृत एवं गुणवत्तायुक्त कीटनाशकों के उपयोग की अपील करते हुए कहा कि लेबल और पर्चे पर दिए गए निदेर्शों का पालन सुरक्षित खेती और बेहतर उत्पादन के लिए आवश्यक है। वरिष्ठ प्राविधिक सहायक श्रीमती क्षितिज ने सुरक्षित छिड़काव, प्रतीक्षा अवधि (वेटिंग पीरियड), व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) के उपयोग तथा कीटनाशकों के सुरक्षित भंडारण और निस्तारण की जानकारी दी। कार्यक्रम में क्रॉप साइंस कंपनी के प्रतिनिधि अतुल राय ने भी किसानों को विभिन्न फसलों के लिए उपयुक्त कीटनाशकों के चयन और अनुशंसित मात्रा में उनके प्रयोग के बारे में जानकारी दी। इस दौरान बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लेकर फसल सुरक्षा संबंधी समस्याओं का समाधान प्राप्त किया और सुरक्षित खाद्य उत्पादन के संदेश को अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

गाजियाबाद ट्रैफिक व्यवस्था को मिलेगी नई मजबूती, 200 प्रशिक्षु आरक्षियों को दिया गया विशेष प्रशिक्षण

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। पुलिस लाइन्स स्थित परमजीत हॉल में बुधवार को अपर पुलिस उपायुक्त (यातायात) वरुण कुमार ने प्रशिक्षणरत 200 आरक्षी पुलिसकर्मियों को गाजियाबाद की यातायात व्यवस्था एवं प्रभावी ट्रैफिक प्रबंधन का विशेष प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण के दौरान सड़क सुरक्षा, यातायात नियमों के प्रभावी पालन, नागरिकों के साथ बेहतर समन्वय तथा आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित कार्रवाई के तरीकों पर विस्तार से जानकारी दी गई। अधिकारियों ने पुलिसकर्मियों को बताया कि अनुशासित एवं संवेदनशील यातायात व्यवस्था से सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सकती है और आमजन को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकती हैं।

इसके साथ ही प्रशिक्षुओं को गाजियाबाद ट्रैफिक पुलिस के आधिकारिक एक्स (पूर्व में ट्विटर) हैंडल के माध्यम से यातायात संबंधी सूचनाओं के प्रसार, जन-जागरूकता अभियान तथा नागरिक सहभागिता के महत्व से भी अवगत कराया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य आधुनिक एवं प्रभावी ट्रैफिक प्रबंधन के लिए पुलिसकर्मियों को व्यवहारिक रूप से तैयार करना रहा।

बर्थडे पार्टी के बहाने बुलाकर युवक की चाकुओं से गोदकर निर्मम हत्या

न्यू शांति नगर में सनसनी, तीन संदिग्ध हिरासत में, आरोपी का घर सील

परिजनों और प्रशासन ने दी अंतिम विदाई

मृतक मोहित शर्मा

परिजनों को समझाती पुलिस

पुलिस ने घर को किया सील

खून से सना मिला घटनास्थल, फॉरेंसिक टीम ने जुटाए अहम साक्ष्य

पुलिस ने मौके से सबूत किए एकत्र, हर पहलू से की जा रही जांच हत्या की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस, वरिष्ठ अधिकारी और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। घर के अंदर और बाहर फैले खून के निशानों ने वारदात की भयावहता को बयां किया। पुलिस ने घटनास्थल से महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए हैं और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि जांच वैज्ञानिक साक्ष्यों और तकनीकी आधार पर आगे बढ़ाई जा रही है, ताकि घटना में शामिल सभी आरोपियों को जल्द गिरफ्तार किया जा सके।

हत्या के विरोध में फूटा जनाक्रोश, एनएच-9 की सर्विस रोड पर लगाया जाम

'हत्यारों को फांसी दो' के नारों से गूंजा इलाका, भारी पुलिस बल रहा तैनात मोहित शर्मा की हत्या से नाराज परिजनों और स्थानीय लोगों ने गुरुवार सुबह एनएच–9 की सर्विस रोड पर जाम लगाकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने हत्यारोपितों की तत्काल गिरफ्तारी और कड़ी से कड़ी सजा की मांग की। मौके पर पहुंचे पुलिस अधिकारियों ने लोगों को समझाकर शांत कराया। एहतियात के तौर पर कई थानों की पुलिस मौके पर तैनात की गई, जिसके बाद यातायात सामान्य कराया गया।

पुलिस बोली– जल्द होगा पूरे हत्याकांड का खुलासा

वेव सिटी की सहायक पुलिस आयुक्त प्रियाश्री पाल ने बताया कि बुधवार तड़के करीब 3 :30 बजे डायल–112 पर सूचना मिली थी कि मोहित शर्मा को चाकू मार दिया गया है। पुलिस ने तत्काल घायल को अस्पताल पहुंचाया, लेकिन उसकी जान नहीं बच सकी। प्रारंभिक जांच में पार्टी के दौरान नशे की हालत में गाली–गलौज के बाद विवाद बढ़ने की बात सामने आई है। परिजनों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया जा रहा है। तीन संदिग्ध युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है तथा जल्द ही पूरे घटनाक्रम का खुलासा किया जाएगा।

प्रशासन ने परिवार को दिया न्याय का भरोसा

मोहित शर्मा का अंतिम संस्कार गुरुवार को प्रशासन और परिजनों की मौजूदगी में गमगीन माहौल में किया गया। अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। कानून–व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल तैनात रहा। प्रशासनिक अधिकारियों ने पीड़ित परिवार को निष्पक्ष जांच और दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई का भरोसा दिलाया। वहीं परिजनों ने कहा कि जब तक सभी आरोपी गिरफ्तार होकर कड़ी सजा नहीं पाते, तब तक उन्हें न्याय नहीं मिलेगा।

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। क्रॉसिंग रिपब्लिक थाना क्षेत्र के न्यू शांति नगर में बुधवार देर रात एक दर्दनाक वारदात ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। जन्मदिन की पार्टी के बहाने बुलाए गए 23 वर्षीय मोहित शर्मा की चाकुओं से गोदकर हत्या कर दी गई। वारदात के बाद घटनास्थल पर घर के अंदर से लेकर बाहर तक खून फैला मिला। घटना की सूचना मिलते ही इलाके में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने तत्काल मौके

पर पहुंचकर घायल युवक को अस्पताल पहुंचाया, लेकिन चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना से गुस्साए परिजनों और स्थानीय लोगों ने एनएच-9 की सर्विस रोड पर जाम लगाकर आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की। पुलिस ने तीन संदिग्ध युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है तथा मुख्य आरोपी के घर को भी सील कर दिया गया है।

पुरानी रंजिश बनी हत्या की वजह

मृतक मोहित शर्मा के परिजनों ने हत्या को पूरी तरह सुनियोजित साजिश बताया है। उनका कहना है कि कुछ महीने पहले मोहित का कुछ युवकों से विवाद हुआ था, जिसका बाद में समझौता भी हो गया था। इसके बावजूद आरोपी लगातार उसके संपर्क में बने रहे। परिजनों का आरोप है कि आरोपी उसे हरिद्वार और खाटू श्याम की यात्रा पर भी अपने साथ ले गए थे और तभी से उसकी हत्या की योजना बना रहे थे। बुधवार रात जन्मदिन की पार्टी का बहाना बनाकर उसे बुलाया गया और देर रात करीब तीन बजे चाकुओं से ताबड़तोड़ हमला कर मौत के घाट उतार दिया गया। उनका दावा है कि इस वारदात में कई युवक शामिल थे और हत्या के बाद शव को घर के बाहर फेंक दिया गया।

शिक्षक सम्मेलन में गूंजा चुनावी शंखनाद

डॉ. दिनेश शर्मा ने श्रीचंद शर्मा के लिए मांगा समर्थन

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। मेरठ-सहारनपुर शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव को लेकर गुरुवार को वसुंधरा स्थित सिल्वर स्पून में भारतीय जनता पार्टी महानगर द्वारा 'शिक्षक, प्रधानाचार्य एवं प्रबंधक संवाद' कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शिक्षकों, प्रधानाचार्यों और विद्यालय प्रबंधकों ने भाग लिया तथा भाजपा समर्थित शिक्षक एमएलसी प्रत्याशी श्रीचंद शर्मा के समर्थन में एकजुटता दिखाई।

मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा ने कहा कि शिक्षक राष्ट्र निर्माण की सबसे मजबूत कड़ी हैं और नई शिक्षा नीति शिक्षा व्यवस्था को नई दिशा दे रही है। उन्होंने शिक्षकों से अपील की कि वे श्रीचंद शर्मा को प्रचंड मतों से विजयी बनाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व को और मजबूत करें।

कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा, सांसद अतुल गर्ग, विधायक संजीव शर्मा, प्रदेश मंत्री परमिंदर जांगड़ा, भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल, पूर्व विधायक कृष्णवीर सिरोही, मृगांका सिंह सहित कई जनप्रतिनिधि एवं पार्टी पदाधिकारी मौजूद रहे।

शिक्षक एमएलसी प्रत्याशी श्रीचंद शर्मा ने कहा कि उन्होंने अपने पिछले कार्यकाल में शिक्षकों की समस्याओं को सदन में मजबूती से उठाया है और दोबारा अवसर मिलने पर शिक्षक हितों, विद्यालयों के विकास तथा शिक्षा की गुणवत्ता से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता देंगे।

कार्यक्रम के दौरान शिक्षकों और विद्यालय प्रबंधकों ने नई शिक्षा नीति, शिक्षक हितों और शिक्षा व्यवस्था को लेकर अपने सुझाव भी साझा किए। अंत में उपस्थित शिक्षकों ने श्रीचंद शर्मा को ऐतिहासिक मतों से विजयी बनाने का संकल्प लिया।

इंदिरापुरम में पुलिस मुठभेड़: स्नैचिंग करने वाले दो बदमाश पैर में गोली लगने के बाद गिरफ्तार

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। थाना इंदिरापुरम पुलिस ने बुधवार को कनावनी पुलिया के पास चेकिंग अभियान के दौरान मुठभेड़ में स्नैचिंग और लूट की वारदातों में शामिल दो बदमाशों को घायल अवस्था में गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार दोनों आरोपी पुलिस पर फायरिंग करते हुए भागने का प्रयास कर रहे थे, जिसके जवाबी कार्रवाई में उनके पैरों में गोली लगी। दोनों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। पुलिस के मुताबिक, सेक्टर-5/6 की ओर से मोटरसाइकिल पर आए दो संदिग्ध युवकों को रुकने का इशारा किया गया, लेकिन वे बाइक मोड़कर भागने लगे और पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। आत्मरक्षा में पुलिस द्वारा की गई जवाबी कार्रवाई में दोनों घायल हो गए।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सौरव यादव उर्फ गोली निवासी खोड़ा कॉलोनी तथा अमन यादव निवासी गढ़ी चौखंडी, नोएडा के रूप में हुई है। पूछताछ में दोनों ने स्वीकार किया कि वे गाजियाबाद, नोएडा और एनसीआर क्षेत्र में लूट, स्नैचिंग और चोरी की घटनाओं को अंजाम देते थे। पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपियों के खिलाफ अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है तथा उनके आपराधिक इतिहास और अन्य मामलों में संलिप्तता की जांच भी की जा रही है।

जनता दर्शन में डीएम सख्त: पात्रों को योजनाओं का लाभ दिलाएं, भूमाफियाओं पर चलेगा अभियान

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मांदड़ ने कलेक्ट्रेट में आयोजित जनता दर्शन के दौरान विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतें सुनीं और अधिकारियों को उनका गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भूमि विवादों का निस्तारण पुलिस और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम मौके पर पहुंचकर करे।

डीएम ने अधिकारियों से कहा कि गरीब, बेसहारा, दिव्यांग और पात्र लोगों तक सरकार की सभी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना सभी की नैतिक जिम्मेदारी है। उन्होंने पीएम सूर्य घर योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार कर अधिक से अधिक परिवारों को योजना से जोड़ने तथा केंद्र और राज्य सरकार की सब्सिडी का लाभ दिलाने के निर्देश दिए।

शिक्षा विभाग को निर्देशित करते हुए डीएम ने कहा कि आरटीई के तहत प्रवेश प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और कोई भी पात्र बच्चा लाभ से वंचित नहीं रहना चाहिए। भूमि पर अवैध कब्जों की बढ़ती शिकायतों पर जिलाधिकारी ने बताया कि कमिश्नर के साथ संयुक्त टीम गठित कर भूमाफियाओं के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट कहा कि अवैध कब्जाधारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी तथा जनता का किसी भी प्रकार का उत्पीड़न स्वीकार नहीं किया जाएगा। जनता दर्शन के दौरान एडीएम (एलए), सिटी मजिस्ट्रेट सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

पाकिस्तान में 125 वर्ष पुराने गुरुद्वारा साहिब को गिराने पर प्रधानमंत्री से हस्तक्षेप की मांग

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। पाकिस्तान के फरुर्खाबाद में स्थित लगभग 125 वर्ष पुराने गुरुद्वारा साहिब की ऐतिहासिक विरासत को कथित रूप से ध्वस्त किए जाने के विरोध में सिख समाज और गुरु घर में आस्था रखने वाले श्रद्धालुओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से हस्तक्षेप की मांग की है। इस संबंध में गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह के प्रधान इंदरजीत सिंह के नेतृत्व में प्रधानमंत्री के नाम एक ज्ञापन भेजा गया।

ज्ञापन में कहा गया कि गुरुद्वारा साहिब केवल सिख समुदाय का ही नहीं, बल्कि मानवता, सेवा, भाईचारे और सांझी विरासत का प्रतीक है। इसकी ऐतिहासिक धरोहर को नुकसान पहुंचाना करोड़ों श्रद्धालुओं की धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाला कृत्य है। समाज ने इस घटना की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए इसे अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और अस्वीकार्य बताया।

इंदरजीत सिंह ने कहा कि पाकिस्तान में समय–समय पर गुरुद्वारों पर कब्जे, उनकी संपत्तियों पर अतिक्रमण और धार्मिक स्थलों को नुकसान पहुंचाने जैसी घटनाएं चिंता का विषय रही हैं। ऐसे मामलों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी गंभीरता से ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है।

श्रद्धालुओं ने प्रधानमंत्री से आग्रह किया है कि भारत सरकार इस मामले को पाकिस्तान सरकार के समक्ष मजबूती

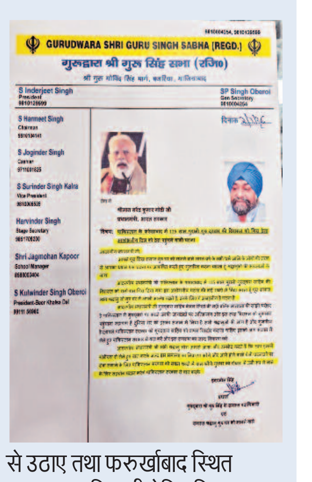

से उठाए तथा फरुर्खाबाद स्थित गुरुद्वारा साहिब की ऐतिहासिक विरासत को उसके मूल स्वरूप में पुनर्स्थापित कराने के लिए कूटनीतिक स्तर पर आवश्यक प्रयास करे। साथ ही भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए पाकिस्तान सरकार पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने का भी अनुरोध किया गया है।

ज्ञापन में विश्वास जताया गया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी श्रद्धालुओं की भावनाओं का सम्मान करते हुए इस गंभीर विषय पर आवश्यक कदम उठाएंगे। इस अवसर पर गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह के पदाधिकारियों एवं बड़ी संख्या में गुरु घर में आस्था रखने वाले श्रद्धालुओं ने भी घटना पर गहरा रोष व्यक्त किया।

सड़क हादसे में मददगार बनिए, सरकार देगी 25 हजार का इनाम; घायलों को मिलेगा 1.5 लाख तक मुफ्त इलाज

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। सड़क दुर्घटनाओं में घायलों को समय पर उपचार उपलब्ध कराने और पीएम-राहत व राह-वीर योजना के प्रभावी संचालन के लिए गुरुवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी सभागार में प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें मुख्य चिकित्सा अधिकारी, अपर पुलिस उपायुक्त (यातायात), योजना के नोडल अधिकारी तथा आयुष्मान भारत से संबद्ध निजी अस्पतालों के चिकित्सकों और स्टाफ ने भाग लिया। कार्यशाला में चिकित्सकों एवं अस्पताल कर्मियों को पीएम-राहत पोर्टल पर सड़क दुर्घटना के प्रत्येक मामले का अनिवार्य पंजीकरण, उपचार प्रक्रिया और योजना के दिशा-निर्देशों की जानकारी दी गई। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने सभी मामलों का पोर्टल पर पंजीकरण सुनिश्चित करने और प्रत्येक 15 दिन में इसकी समीक्षा करने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने बताया कि पीएम-राहत योजना के तहत सड़क हादसे के पीड़ितों को सात दिन तक अथवा अधिकतम 1.5 लाख रुपये तक का कैशलेस इलाज उपलब्ध कराया जाता है। वहीं राह-वीर योजना के अंतर्गत गोल्डन आवर में घायल को अस्पताल पहुंचाकर उसकी जान बचाने वाले व्यक्ति को 25 हजार रुपये का प्रोत्साहन और कानूनी संरक्षण प्रदान किया जाता है। कार्यशाला में अस्पतालों से इन दोनों योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने और सड़क दुर्घटना पीड़ितों को त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने का आह्वान किया गया।